www.tamsasanket.com
वर्षः 29 || अंक 179 || अम्बेडकरनगर
सोमवार
21 सितम्बर 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव

दैनिक तमसा संकेत

https://epaper.tamsasanket.com
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

मौसम
सूर्योदयः 05:54
सूर्यास्तः 06:04
अधिकतमः 34°00
न्यूनतमः 26°00

पेज 07

विशेष समाचार | युद्ध की राख से शांति का नया ... >> पेज 04 | यूजीसी के विरोध में 200 ट्रैक्टर ... >> पेज 06 | कटरीना की ट्रोलिंग के बाद भड़के ...

योगी की चेतावनी, कहा- पहले एग्जाम कोई देता था, भर्ती किसी और की होती थी

'बेटियों को छेड़ने वाला अपना डेथ वॉरेंट साइन करता है'

सीएम ने कहा- आप गिनते जाइए, हमने साढ़े नौ लाख नौकरी दी है। अगले 6 महीने में एक लाख नौजवानों को जॉइनिंग लेटर देंगे। अब प्रदेश में दंगा नहीं होता। हम कभी-कभी दंगे की मॉक ड्रिल कराते हैं, जिससे लोग भूल नहीं जाएं कि दंगा कैसे होता है।

पारदर्शिता

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। सीएम योगी ने लखनऊ में कहा- आज कोई किसी बेटी को छेड़ने का दुस्साहस नहीं कर सकता। अगर करेगा तो अंजाम वह जानता है। अगर नहीं जानता तो मुझे लगता है कि वह अपने डेथ वॉरेंट (मृत्युदंड) पर खुद साइन कर रहा। उन्होंने कहा- 2017 से पहले भर्ती में पारदर्शिता की कमी थी। भाई-भतीजावाद था। भर्ती का एग्जाम कोई देता था, लेकिन नियुक्ति किसी और की होती थी। इसलिए भर्ती आते ही युवाओं के मन में सवाल उठता था कि बिना सिफारिश या लेन-देन के नौकरी कैसे मिलेगी? लेकिन, अब ऐसा नहीं है। योगी ने कहा- यूपी ने जो परसेप्शन बदला है, वह यूपी पुलिस ने बदला है। जिस पुलिस को 25 करोड़ लोगों ने विश्वास का प्रतीक बनाया है। लोग कहते हैं कि यूपी मॉडल को उतार देते हैं। यह बदलाव पुलिस में किए गए सुधारों से आया है। 2017 में पुलिस के आधे से ज्यादा पद खाली थे और भर्ती पर हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट की रोक थी। 4 लाख पुलिसकर्मियों की जरूरत के मुकाबले सिर्फ 2 लाख पुलिसकर्मी थे। पहले भाई-भतीजावाद के कारण भर्ती नहीं हो पाती थी। इसके बाद संबंधित व्यक्ति ने सरेंडर कर जमीन वापस करने की बात कही। आज यूपी के सात शहरों में पुलिस कमिश्नरेट है। 2017 से पहले इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी।

पुलिसकर्मी खपरैल के नीचे सोते थे

सीएम ने कहा- पहले पुलिस के बैरक भी बदहाल थे। लखनऊ में वे खुद देखने गए तो पुलिसकर्मी खपरैल के नीचे सो रहे थे। तब लगा कि पुलिस व्यवस्था में बदलाव जरूरी है। इसके बाद हर जिले की पुलिस लाइन में बैरक की व्यवस्था की गई।

अब कोई माफिया असलहा लहराते हुए खुलेआम नहीं घूम सकता

योगी ने कहा- पुलिस में भर्ती की प्रक्रिया पारदर्शी हो तो व्यवस्था में बदलाव लाया जा सकता है। 2017 से पहले यूपी के लोगों को बाहर अपनी पहचान बताने में भी झिझक होती थी। प्रदेश में दंगे और लंबे समय तक कर्फ्यू रहता था।

बरेली, अलीगढ़ और मुजफ्फरनगर समेत कई जगहों पर लंबे समय तक दंगे हुए। माफिया का दबदबा इतना था कि प्रशासन, पुलिस और न्यायिक अधिकारियों के लिए भी चुनौती बनी रहती थी। माफिया के काफिले के सामने न्यायिक अधिकारी का वाहन तक रोक दिया जाता था। आज क्या कोई माफिया असलहा लहराते हुए खुलेआम घूम सकता है या दंगा करने का दुस्साहस कर सकता है? पहले जिस व्यक्ति के पास क्षमता थी, वह बेटी को बाहर पढ़ाने भेज देता था। जिसके पास क्षमता नहीं थी, वह बेटी को घर पर बैठाने को मजबूर था।

- **बेटियों की सुरक्षा पर सीएम योगी का सख्त संदेश**-छेड़छाड़ करने वालों को गंभीर अंजाम भुगतने की चेतावनी।
- **2017 से पहले भर्ती व्यवस्था पर सवाल**-योगी ने भाई-भतीजावाद और पारदर्शिता की कमी का आरोप लगाया।
- **योग्यता के आधार पर भर्ती का दावा**-कहा, अब युवाओं को बिना सिफारिश और लेन-देन के नौकरी मिलने का भरोसा है।
- **यूपी पुलिस में सुधार का दावा**-योगी ने कहा कि पुलिस ने प्रदेश की धारणा बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- **पुलिस बल की कमी का जिक्र**-2017 में करीब चार लाख की जरूरत के मुकाबले सिर्फ दो लाख पुलिसकर्मी होने की बात कही।

2017 से अब तक अराजपत्रित श्रेणी में 2,56,258 सीधी भर्तियां और 1,54,572 पदोन्नतियां हुईं। 35 हजार सीधी भर्ती और 9 हजार से अधिक पदोन्नतियों की प्रक्रिया चल रही है।

जो लोग कुछ नहीं कर पाए, वे हमेशा बोलते रहेंगे

योगी ने कहा- 2017 से पहले भर्ती प्रक्रिया में गड़बड़ियों के कारण युवाओं में निराशा और हताशा थी। पहले भर्ती की पारदर्शिता पर सवाल उठते थे, फिर चयन प्रक्रिया पर। पेपर लीक के मामले भी सामने आते थे। 2017 में सरकार ने तय किया कि भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता लाई जाएगी और सुधार किए जाएंगे। भर्ती आयोगों और बोर्ड की प्रक्रिया में बदलाव किया गया। ग्रुप-3 और ग्रुप-4 में इंटरव्यू की व्यवस्था खत्म की गई। जो लोग कुछ नहीं कर पाए, वे हमेशा बोलते रहेंगे। जिन्होंने अपनी अक्षमता के कारण यूपी को बीमारू बनाया था, उन्हें यूपी पुलिस पर बोलने का कोई अधिकार नहीं है। उनके निकम्मेपन को यूपी और देश देख चुका है।

योगी की पाती

मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

*मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि **यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो का चौथा संस्करण 25 से 29 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में आयोजित होने जा रहा है।** उत्तर प्रदेश के उत्पादों को वैश्विक मंच मिले, हमारे कारीगरों, उद्यमियों और अन्नदाताओं की मेहनत को दुनिया पहचाने, इसी उद्देश्य से यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो का आयोजन वर्ष 2023 में आरंभ किया गया था।*

***जब डबल इंजन सरकार ने प्रदेश की सेवा का दायित्व संभाला, तब हमारे सामने सबसे बड़ी प्राथमिकताओं में एक रोजगार सृजन था।** आज मुझे संतोष है कि अकेले एमएसएमई सेक्टर और ओडीओपी जैसी पहलों के माध्यम से 4 करोड़ से अधिक रोजगार सृजित हुए हैं। इसकी सफलता से प्रेरित होकर ही 'एक जनपद-एक व्यंजन' (ओडीओसी) जैसी नई पहल शुरू की गई है।*

*उत्तर प्रदेश को बीमारू प्रदेश की छवि से बाहर निकालकर उत्सव प्रदेश बनाना बड़ी चुनौती थी, लेकिन आज हमारा प्रदेश देश की अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंजन है। **निर्यात में हमारी भागीदारी ₹2 लाख करोड़ से अधिक है। देश-विदेश के उद्यमी उत्तर प्रदेश में निवेश करना चाहते हैं। ₹15 लाख करोड़ का निवेश धरातल पर उतर चुका है।** बड़े पैमाने पर निवेश से निर्यात बढ़ता है, जिससे रोजगार के नए अवसर बनते हैं। इसका लाभ प्रदेशवासियों, विशेषकर युवाओं को मिलता है।*

*उत्तर प्रदेश की पहचान केवल बाजार और जनशक्ति नहीं, बल्कि यहां के युवाओं के कौशल, कारीगरों, शिल्पकारों और उद्यमियों की प्रतिभा भी है। **प्रदेश का युवा रोजगार पाने वाला नहीं, अपितु रोजगार देने वाला उद्यमी बने, प्रदेश सरकार ने इसी सोच के साथ युवाओं के लिए अवसरों के नए द्वार खोले हैं।** युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए स्टार्टअप नीति-2026 और विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना जैसी पहलें नवाचार, कौशल, उत्पाद विकास और बाजार से जुड़ने के अवसर उपलब्ध करा रही हैं। आज उत्तर प्रदेश अपने उत्पादों के साथ अपने युवाओं की उद्यमशीलता को भी वैश्विक बाजार तक पहुंचा रहा है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार शो इसी सामर्थ्य को खरीदारों, निवेशकों और वैश्विक बाजार से जोड़ने का महत्वपूर्ण मंच है।*

***मैं प्रदेश के युवाओं, विद्यार्थियों, नवोन्मेषकों और भावी उद्यमियों से आग्रह करता हूं कि इस अवसर का लाभ उठाएं।** बड़ी संख्या में आएं, नए संपर्कों और नए बाजार को समझें तथा अपनी प्रतिभा एवं क्षमता के अनुरूप नए अवसर तलाशें। उद्यमिता के प्रति जागरूकता के अभाव को दूर करते हुए अपने आसपास उपलब्ध अवसरों को पहचानें। आपका नया विचार एवं छोटा-सा प्रयास भी आने वाले समय में बड़े उद्यम का आधार बन सकता है।*

आपके प्रयासों से स्थानीय सामर्थ्य वैश्विक बाजार तक पहुंचेगा और इसी के बल पर हम वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ते हुए विकसित उत्तर प्रदेश के स्वप्न को साकार करेंगे।

आपका
योगी आदित्यनाथ

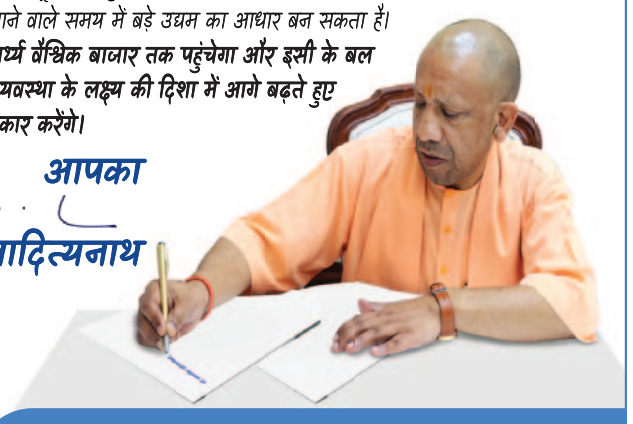

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश
UPGovtOfficial | CMOUttarpradesh | CMOfficeUP
UP का मेला

फास्ट न्यूज

तेलंगाना में डॉक्टर की कार में जिंदा जलकर मौत

तेलंगाना। तेलंगाना के सूर्यापेट जिले में रविवार को सड़क डिवाइडर से टकराने के बाद कार में आग लग गई। हादसे में कार चला रहे डॉक्टर की जिंदा जलकर मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, हादसा सुबह करीब 7:15 बजे हैदराबाद-खम्मम हाईवे पर पिल्ललमारी फ्लाईओवर के पास हुआ। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची।

मणिपुर के कांगपोकपी में प्रदर्शनकारियों ने नेशनल हाईवे खोदा

इंफाल। मणिपुर के कांगपोकपी जिले में शनिवार रात हिंसक प्रदर्शन हुए। प्रदर्शनकारियों ने मोतबुंग और आसपास के इलाकों में सड़कें जाम कीं, टायर जलाए और गाड़ियों पर पत्थर फेंके। इन लोगों ने नेशनल हाईवे-2 भी खोद दिया, ताकि गाड़ियां आगे न बढ़ सकें। यह रास्ता इंफाल से दीमापुर तक जाता है। हालांकि सुरक्षा बलों ने भीड़ को हटाने के लिए कई राउंड आंसू गैस के गोले छोड़े। ये लोग खोलेन गांव के 7 कुकी ग्रामीणों को हिरासत में लिए जाने का विरोध कर रहे थे। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में प्रदर्शनकारी गाड़ियों पर गोलियां चलाते हुए भी दिखे।

मुस्लिम गरबा में आ सकते हैं : संजय उपाध्याय

बोरीवली। मुंबई के बोरीवली में होने वाले गरबा कार्यक्रम में मुस्लिमों की एंट्री को लेकर बीजेपी ने शर्त रखी है। बीजेपी विधायक संजय उपाध्याय ने कहा कि गरबा में शामिल होने वाले मुस्लिमों को तिलक लगाना होगा और देवी की पूजा करनी होगी। इससे पहले महाराष्ट्र सरकार में मंत्री नितेश राणे ने भी नवरात्रि के दौरान गरबा आयोजनों में मुस्लिमों की एंट्री का विरोध किया था।

कांग्रेस जोकरों की पार्टी बनी : किरेन रिजिजू

शिक्षा मंत्री बोले- पीएम की मां का अपमान किया

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। राहुल गांधी के इंदौर में हुए कार्यक्रम 'छात्रों की गूंज' पर विवाद हो गया है। BJP ने आरोप लगाया है कि कार्यक्रम में पीएम मोदी की मां का अपमान किया गया।

शिक्षा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा- राहुल और कांग्रेस पार्टी नैतिक दिवालियापन के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए हैं। छात्र संवाद का इस्तेमाल PM मोदी की दिवंगत मां का मजाक उड़ाने और उनका अपमान करने के लिए करना बुनियादी मानवीय संवेदना और राजनीतिक संस्कृति की चौंकाने वाली कमी दिखाता है।

>> (शेष पेज 06 पर)

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने रविवार को एक्स पर पोस्ट में लिखा- कांग्रेस पार्टी कॉमेडियंस और जोकर्स की पार्टी बन गई है। वे हमेशा के लिए बाहर हो गए हैं्ड रेस्ट इन पीस।

महिलाओं को 2 लाख का लोन देंगे : अखिलेश

हर विधानसभा से भाजपा का 27 हजार वोट कम करेंगे, बाबा साहेब की 151 मूर्तियां तोड़ी गईं

बैठक

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। अखिलेश यादव ने रविवार को सपा प्रदेश कार्यकारिणी की अहम बैठक की। लखनऊ में सपा मुख्यालय में हुई यह बैठक सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक चली। इसके बाद सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने बताया- सपा 2027 के चुनाव में हर विधानसभा सीट पर अपने 27 हजार वोट बढ़ाने और भाजपा के इतने ही वोट कम करने का काम करेगी। अखिलेश ने इस दौरान बाबा साहेब अंबेडकर की मूर्तियां तोड़ने, बेरोजगारी, पेपर लीक और जमीन घोटाले को लेकर भाजपा सरकार पर सवाल खड़े किए।

राज्य के 72 जिलों में बाबा साहेब की 151 से ज्यादा मूर्तियां तोड़ी गईं, जिनका डॉक्यूमेंटेशन सपा के पास है। इसके अलावा कई अनडॉक्यूमेंटेड मामले भी हैं, जिनकी खबरें नहीं बन पाईं। औसतन हर साल 15 मूर्तियां तोड़ी गई हैं। जबकि मात्र 14 मामलों में ही गिरफ्तारियां हुई हैं।

भाजपा न बाबा साहेब का सम्मान करती है, न उनकी मूर्तियों का और न उनके लोगों का। ये संविधान बदलना चाहते हैं। इसीलिए बाबा साहेब के हाथों में जो संविधान है, उसी पर हमला कर रहे। भाजपा की नीयत कभी भी आरक्षण और संविधान के पक्ष में नहीं रही।

भाजपा सरकार में नौजवान बेरोजगार हुआ

देश में सबसे ज्यादा पेपर लीक उत्तर प्रदेश में हुए हैं, जिससे युवाओं को सरकारी नौकरी नहीं देनी पड़े। भाजपा सरकार में नौकरियां गायब हैं और आरक्षण के साथ खिलवाड़ किया गया है। किसानों से जमीनें ली गईं, लेकिन सर्किल रेट बढ़ाकर उन्हें सही मुआवजा नहीं दिया गया। अयोध्या इस बात का उदाहरण बना कि वहां किस बड़े पैमाने पर जमीन घोटाले हुए हैं। माहौल खराब करने की कोशिशों के बावजूद मुस्लिम भाइयों ने जिस धैर्य, भाईचारे और सद्भावना का परिचय दिया, पार्टी उनकी आभारी है।

अखिलेश यादव ने चुनाव की प्रशासनिक तैयारियों पर भी सवाल उठाए। कहा- यूपी में जिन अधिकारियों पर चुनाव कराने और वोट डलवाने की जिम्मेदारी होगी, उनमें 10% भी पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) समाज के लोगों को नहीं रखा गया है। चुनाव आते-आते ये लोग पीडीए अफसरों की संख्या जीरो कर देंगे।

- **इस महिला के बेटे यश सैनी को रूस से भारत आने नहीं दिया जा रहा है। महिला ने अखिलेश से मदद मांगी।**

>> (शेष पेज 06 पर)

खारिज : टांडा पालिका अध्यक्ष शबाना नाज ने प्रेस कांफ्रेंस में लगाए गंभीर आरोप, बोलीं- ब्लैंक चेक पर कराए गए हस्ताक्षर

90 लाख खाते में थे, एटीएम वापस मिला तो बचे 400 रुपये

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। नगर पालिका टांडा में वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों के बीच अध्यक्ष शबाना नाज ने रविवार को प्रेस कांफ्रेंस कर अपना पक्ष रखा। उन्होंने अपने ऊपर लगाए गए आरोपों को खारिज किया। साथ ही ससुराल पक्ष के लोगों पर उत्पीड़न और आर्थिक नुकसान पहुंचाने के आरोप लगाए। अध्यक्ष ने दावा किया कि पति की मौत के बाद उनके बैंक खाते में करीब 90 लाख रुपये थे। उनका एटीएम ले लिया गया और उनसे ब्लैंक चेक पर हस्ताक्षर करा लिए गए। एटीएम वापस मिलने पर खाते में सिर्फ 400 रुपये बचे थे।

>> (शेष पेज 06 पर)

'अवसाद की हालत में थी, तभी एटीएम और चेक लिए'

शबाना नाज के मुताबिक, पति की मौत के बाद वह मानसिक रूप से परेशान थीं। इसी दौरान उनका एटीएम ले लिया गया। उनसे कई ब्लैंक चेक पर हस्ताक्षर भी कराए गए। उन्होंने दावा किया कि खाते में पति द्वारा रखे गए करीब 90 लाख रुपये थे। बाद में रकम दूसरे खातों में ट्रांसफर कर दी गई।

शबाना नाज ने कहा कि किसी महिला को दबाव में लाने के लिए उसके चरित्र पर सवाल उठाना आसान होता है। उनका आरोप है कि उनके मामले में भी ऐसा प्रयास किया गया। उन्होंने कहा कि वह दबाव में आकर पीछे हटने वाली नहीं हैं और अपने पति के घर में रह रही हैं।

वित्तीय अनियमितता के आरोपों पर चार मामलों की सफाई

अध्यक्ष ने बताया कि सभासदों के एक गुट ने 12 मामलों को लेकर उच्च न्यायालय का रुख किया था। उनके अनुसार, चार मामलों को स्वीकार किया गया, जबकि बाकी मामले खारिज हो गए। अध्यक्ष ने चारों मामलों में भी वित्तीय अनियमितता से इन्कार किया।

- **हाउस टैक्सः** अध्यक्ष के मुताबिक, वर्ष 2024 की शासन की हाउस टैक्स नियमावली के आधार पर तत्कालीन ईओ ने अधिक टैक्स की दर वाली विज्ञप्ति जारी की थी। उन्होंने इसे स्थगित किया था। उनका कहना है कि यह वित्तीय अनियमितता नहीं है।
- **टैक्सी स्टैंडः** तीन दिन की वसूली अपने लोगों से कराए जाने के विपक्षी आरोप को उन्होंने निराधार बताया।
- **15वां वित्त आयोगः** अध्यक्ष ने कहा कि ठेकेदार के काम की गुणवत्ता संतोषजनक नहीं थी। इसलिए भुगतान रोक दिया गया। उनका तर्क है कि भुगतान हुआ ही नहीं तो वित्तीय अनियमितता का सवाल नहीं उठता।

जम्मू में आईएसआई का हाई-टेक हनीट्रैप

घर के बाहर लगाया सिम वाला कैमरा

तमसा संकेत, एजेंसी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में 24 साल के ट्रक ड्राइवर को पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ISI के लिए जासूसी करने के आरोप में अरेस्ट किया गया। आरोपी की पहचान अमन के रूप में हुई है। अमन ने अपने घर के बाहर सिम इनेबल्ड CCTV कैमरा लगाया था। कैमरे का रुख उस सड़क की ओर था, जिसका इस्तेमाल सुरक्षा बल अक्सर करते हैं। वहां से फुटेज ISI हैंडलर्स को लाइव भेजी जाती थी। आरोप है कि कैमरा लगाने के लिए उसे 20 हजार रुपये दिए गए थे। यह रकम दुबई स्थित एक चैनल के जरिए भेजी गई थी। जांच में कथित जासूसी नेटवर्क के दायरे और इसमें शामिल अन्य लोगों का पता लगाया जा रहा है। जम्मू-कश्मीर में ISI से जुड़े नेटवर्क का पिछले चार महीने में यह दूसरा मामला सामने आया है। जम्मू-कश्मीर में चार महीने में डिजिटल सर्विलांस से जुड़े ISI नेटवर्क का यह दूसरा मामला सामने आया है।

>> (शेष पेज 06 पर)

8 साल से एनआईए को तलाश थी, काशी में कमांडो ने घेरा तो फायरिंग की

यूपी एटीएस ने 30 लाख का इनामी नक्सली ढेर किया

- एटीएस के कमांडो एनकाउंटर स्पॉट पर तैनात हैं। नक्सली बृजेश गंझू के पास से दो पिस्टल बरामद किए गए हैं।
- पुलिस को मौके से 2 पिस्टल मिली हैं। इसी से नक्सली कमांडर ने एटीएस पर फायरिंग की थी।

बृजेश गंझू, मृतक नक्सली

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। यूपी ATS ने वाराणसी में कुख्यात नक्सली बृजेश गंझू उर्फ गोपाल सिंह को मार गिराया है। उस पर 30 लाख रुपए का इनाम था। वह झारखंड के प्रतिबंधित नक्सली संगठन तृतीय प्रस्तुति कमेटी (TPC) का कमांडर था। 8 साल पहले NIA ने टेरर फंडिंग केस में उसे वांटेड घोषित किया था। मुठभेड़ रविवार सुबह 4 बजे रामनगर थाना क्षेत्र में हुई। ATS के DSP विपिन राय ने बताया- सूचना मिली थी कि नक्सली रामनगर होते हुए मुगलसराय की तरफ जा रहा है। इसके बाद टीम के कमांडोज़ ने घेराबंदी कर दी। इसी दौरान वह अपने एक साथी के साथ बाइक से पहुंचा। उन्होंने बताया- टीम ने रुकने का इशारा किया, तो पकड़े जाने के डर से उसने दोनों हाथों से पिस्टल से फायरिंग शुरू कर दी। मुझे और हेड कॉन्स्टेबल नितेंद्र कृष्ण की बुलेटप्रूफ जैकेट पर गोली लगी। इसके बाद टीम ने जवाबी फायरिंग की। इसमें बृजेश को गोली लगी और वह सड़क पर गिर गया, जबकि उसका साथी फरार हो गया। उसे जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। उसका साथी फरार हो गया। बृजेश गंझू (46) झारखंड के चतरा जिले के लावालौंग थाना क्षेत्र का रहने वाला था। वह ट्रांसपोर्टरों, कोयला खनन कंपनियों और ठेकेदारों से वसूली करता था। उस पर झारखंड सरकार ने 25 लाख और NIA ने 5 लाख रुपए का इनाम रखा था। 8 साल पहले बृजेश के घर की कुर्की की गई थी। नक्सली कमांडर बृजेश गंझू मूल रूप से चतरा जिले में लूटू गांव का रहना वाला था। हालांकि, काफी समय से ठिकाने और नाम बदल-बदल कर रह रहा था।

नक्सली से दो पिस्टल और कई जिंदा कारतूस मिले

ATS ने नक्सली बृजेश गंझू के पास से दो पिस्टल बरामद किए हैं। उसके पास से कई जिंदा कारतूस और खोखे भी मिले हैं। ATS ने उसकी डेडबॉडी को लाल बहादुर शास्त्री पोस्टमार्टम हाउस में रखवाया है। ADG कानून व्यवस्था अमिताभ यश ने बताया कि कार्रवाई के बाद ATS और स्थानीय पुलिस ने इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी है।

दरोगा की वकील पत्नी फंदे पर लटकी मिली

प्रयागराज में 10 महीने पहले लव मैरिज की, दरोगा बोला- उसने खुद फंदा लगाया

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। प्रयागराज में दरोगा की पत्नी का शव फ्लैट में फंदे से लटका मिला। वह हाईकोर्ट में वकील थीं। दरोगा के मुताबिक, शनिवार को दोनों में झगड़ा हुआ। रात 8 बजे पत्नी कंचन कमरे में चली गई और दरवाजा अंदर से बंद कर लिया। थोड़ी देर बाद पारिवारिक मित्र ने फोन कर बताया, कंचन ने मैसेज किया है कि वह सुसाइड करने जा रही हैं। दरोगा ने बताया- मैंने आवाज लगाई और दरवाजा खटखटाया। कोई जवाब नहीं मिला, तो दरवाजा तोड़ दिया। अंदर पत्नी का शव फंदे से लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने फ्लैट सील कर दिया। घटना धूमनगंज के पारस ग्रीन अपार्टमेंट की है। 33 साल की कंचन सिंह हाईकोर्ट में वकील थीं। उन्होंने 10 महीने पहले दरोगा जितेंद्र सिंह से लव मैरिज की थी। जितेंद्र धूमनगंज थाने में तैनात हैं। 2023 बैच के दरोगा जितेंद्र सिंह कानपुर के रहने वाले हैं।

दरोगा जितेंद्र सिंह की फाइल फोटो। वह कानपुर के रहने वाले हैं।

जितेंद्र ने बताया- मेरी पत्नी भी कानपुर की रहने वाली थी। प्रयागराज में पत्नी के साथ पारस ग्रीन अपार्टमेंट की 9वीं मंजिल स्थित फ्लैट में रहता हूं। पिछले कुछ दिनों से हम दोनों के बीच झगड़ा चल रहा था। इसको लेकर कंचन के माता-पिता कानपुर से प्रयागराज आए थे। वे लोग 3 दिन तक हम लोगों के साथ रहे और कंचन को खूब समझाया। इसके बाद शनिवार रात 8 बजे दोनों कानपुर लौट गए।

फास्ट न्यूज

उन्नाव में विवाहिता ने फांसी लगाई, डायल-112 पर दी सूचना

पुरवा। उन्नाव के पुरवा में एक 28 साल की विवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। खास बात यह है कि महिला ने घटना से पहले डायल 112 पर पुलिस को खुदकुशी करने की जानकारी दी थी। फोन पर उसने कहा कि वह आत्महत्या करने जा रही है और फिर फोन काट दिया। मृतका के पति मोनू तिवारी ने बताया कि उनका विवाह 9 साल पहले पिंकी से हुआ था।

तीन दिन बाद नहर में मिला युवक का शव

रामनगर। बाराबंकी जिले के जहांगीराबाद थाना क्षेत्र में तीन दिन पहले नहर में कूदे मनीष रावत (30) का शव शनिवार रात बिंदौरा शारदा सहायक नहर में मिला। मनीष का शव बहकर झाल के पास पहुंचा था, जिसे उसके मामा ने पानी में देखकर बाहर निकाला।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया मनीष बृहस्पति-वार सुबह घर से करीब दो किलोमीटर दूर अछेछा गांव के पास शारदा सहायक डबल नहर में कूदा था। उसे बचाने के लिए उसके चाचा रामविलास ने भी नहर में छलांग लगाई थी।

बाराबंकी में विवाहिता की मौत

बाराबंकी। बाराबंकी के बड़ुपुर थाना क्षेत्र के शाहपुर भगौली गांव में 30 वर्षीय विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। शनिवार को उसका शव ससुराल में फांसी के फंदे पर मिला। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका की पहचान गायत्री पत्नी आशीष के रूप में हुई है।

पत्नी से हंसी-मजाक करने पर भाई को मार डाला

गोरखपुर में बीएससी छात्र को खाना खिलाकर सुलाया

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। गोरखपुर में B.Sc. फर्स्ट ईयर के छात्र की हत्या उसके ही चचेरे भाई ने की थी। वजह थी- पत्नी से हंसी-मजाक और अफेयर का शक। आरोपी संतोष मिश्रा ने 17 सितंबर (गुरुवार) को अपने चचेरे भाई कार्तिकेय मिश्रा उर्फ शुभम (19) की घर के अंदर सोते समय हत्या कर दी थी। शक के आधार पर पुलिस ने संतोष को शनिवार को गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने जुर्म कबूल कर लिया। उसने बताया कि शुभम मेरी पत्नी यानी अपनी भाभी से बहुत हंसी-मजाक करता था। चैट पर लंबी बातें करता था। एक दिन मैंने पत्नी के मोबाइल में उसकी चैट पढ़ ली थी। तब मुझे पता चला कि दोनों का अफेयर चल रहा है। संतोष ने बताया- मैंने बहुत समझाया, लेकिन दोनों मान नहीं रहे थे। 14 साल की शादी में कभी मेरा पत्नी से झगड़ा नहीं हुआ। लेकिन, 3 महीने से हमारे बीच तनाव रहने लगा था। इसलिए मैंने पहले शुभम को खाना खिलाया। जब वह गहरी नींद में सो गया, तो बांके से 4 बार हमला करके उसकी हत्या कर दी। मामला जिला मुख्यालय से 40 किलोमीटर दूर बांसगांव थाना क्षेत्र का है। संतोष जयंतीपुर गांव का रहने वाला है। पूछताछ में उसने पुलिस को बताया- शुभम रिश्ते में मेरा चचेरा भाई लगता है। हम दोनों के घर आमने-सामने हैं। मैं ग्राम प्रधान की गाड़ी चलाता हूं। शुभम के पिता स्वदेश मिश्रा खेती-किसानी करते हैं। वह पिछले 4-5 साल से किडनी की बीमारी से जूझ रहे हैं। किडनी ट्रांसप्लांट और इलाज के लिए शुभम का परिवार लखनऊ गया था। घर पर शुभम अकेला था। इस वजह से मैं उसे रोज खाना देने जाता था। लेकिन, जुलाई से वह मेरी पत्नी से हद से ज्यादा हंसी-मजाक करने लगा था।

- मां सुधा मिश्रा ने बताया कि मेरा बेटा ऐसा नहीं था। उसकी शक में हत्या कर दी गई।

शासन ने जारी किया आदेश, 21 सितंबर को संभालेंगे पदभार

एएसपी उत्तरी अखिलेश सिंह का हरदोई ट्रांसफर

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई में पुलिस विभाग में नई तैनाती हुई है। शासन के तबादला आदेश के तहत उन्नाव में अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी रहे अखिलेश सिंह का ट्रांसफर हरदोई किया गया है। उन्हें अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अखिलेश सिंह 21 सितंबर, सोमवार को हरदोई पहुंचकर नए पद का कार्यभार संभालेंगे। अखिलेश सिंह के पदभार ग्रहण करने के बाद जिले के पश्चिमी क्षेत्र की कानून-व्यवस्था और पुलिसिंग से जुड़ी जिम्मेदारियां उनके पास होंगी। वह क्षेत्र के थाना प्रभारियों और पुलिस अधिकारियों के साथ समन्वय कर अपराध नियंत्रण और पुलिस व्यवस्था की निगरानी करेंगे। कार्यभार संभालने के बाद अखिलेश सिंह पश्चिमी क्षेत्र के पुलिस अधिकारियों और थाना प्रभारियों के साथ समन्वय करेंगे।

अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी के स्तर से क्षेत्र के थाना क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था बनाए रखने, अपराध पर कार्रवाई, पुलिस टीमों के बीच समन्वय और अधीनस्थ अधिकारियों की निगरानी जैसे काम देखे जाते हैं। नई जिम्मेदारी में अखिलेश सिंह इन व्यवस्थाओं की निगरानी करेंगे।

उन्नाव में एएसपी उत्तरी की जिम्मेदारी संभाल रहे थे

अखिलेश सिंह इससे पहले उन्नाव जिले में अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी के पद पर तैनात थे। शासन स्तर से जारी तबादला आदेश के बाद अब उन्हें हरदोई भेजा गया है। यहां उन्हें पश्चिमी क्षेत्र की पुलिस व्यवस्था की जिम्मेदारी दी गई है। विभागीय प्रक्रिया पूरी होने के बाद अखिलेश सिंह सोमवार को हरदोई पहुंचेंगे। इसके बाद वह अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी के पद का कार्यभार ग्रहण करेंगे। उनके आने के साथ ही पश्चिमी क्षेत्र की पुलिस व्यवस्था में उनकी नई जिम्मेदारी शुरू हो जाएगी। क्षेत्र में पुलिसिंग से जुड़े कामकाज और अपराध नियंत्रण की कार्रवाई को लेकर अधिकारियों के साथ तालमेल बनाना उनकी प्रमुख जिम्मेदारियों में रहेगा। शासन स्तर से अधिकारियों की तबादला और नई तैनाती प्रशासनिक प्रक्रिया का हिस्सा है।

कोठीभार पुलिस ने वांछित अभियुक्त को पकड़ा

बलिया के सूर्यप्रकाश भारती को कोर्ट भेजा, कई धाराओं में केस दर्ज

तमसा संकेत, एजेंसी

महराजगंज। महराजगंज में अपराध रोकने और फरार आरोपियों को पकड़ने के लिए एक अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत कोठीभार पुलिस ने रविवार को एक फरार आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दर्ज मामले में जरूरी कानूनी कार्रवाई पूरी करने के बाद उसे कोर्ट भेज दिया। पुलिस के मुताबिक, महराजगंज के पुलिस अधीक्षक शक्ति मोहन अवस्थी के निर्देश पर जिले में फरार और वारंटी आरोपियों को पकड़ने का अभियान चल रहा है। इसी कड़ी में अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ के निर्देश और निचलौल के क्षेत्राधिकारी रविन्द्र कुमार सिंह की देखरेख में कोठीभार पुलिस ने यह कार्रवाई की। थाना प्रभारी अखिलेश कुमार वर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने रविवार, 20 सितंबर को सूर्यप्रकाश भारती (26) नाम के आरोपी को पकड़ा। यह आरोपी मु0अ0सं0 296/26 से जुड़ा था। पुलिस ने बताया कि आरोपी बलिया जिले के गड़वार थाना क्षेत्र के सिहांचवर कला गांव का रहने वाला है। आरोपी के खिलाफ कोठीभार थाने में धारा 318(4), 316(5), 352, 351(3) और 61(2) बीएनएस के तहत केस दर्ज है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी से जुड़ी जरूरी कार्रवाई पूरी की और उसे आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए कोर्ट भेज दिया।

पोते से फावड़े से सिर वार कर मार डाला, पिता की मौत के बाद परिवार से अलग किया था

एक बीघा जमीन के लिए दादा की हत्या

तमसा संकेत, एजेंसी

रायबरेली। रायबरेली में एक बीघा जमीन को लेकर चल रहे विवाद ने खूनी रूप ले लिया। डलमऊ कोतवाली क्षेत्र के पूरे भवानी गांव में 27 वर्षीय पोते ने कथित तौर पर अपने 91 वर्षीय दादा पर फावड़े से हमला कर दिया। सिर पर गंभीर चोट लगने के बाद दादा को पहले सीएचसी और फिर एम्स रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने रविवार को मामले का खुलासा करते हुए आरोपी पोते रूपेश को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, घटना शनिवार दोपहर करीब एक बजे की है। परमेश्वर यादव अपने घर के कमरे में सो रहे थे। इसी दौरान उनका पोता रूपेश फावड़ा लेकर कमरे में पहुंचा और सोते समय उनके सिर पर कई वार कर दिए। हमले में परमेश्वर गंभीर रूप से घायल हो गए। घर के अंदर से चीखने की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। लोगों को आता देख आरोपी वहां से भाग निकला। परिजनों और ग्रामीणों की मदद से घायल परमेश्वर को इलाज के लिए सीएचसी ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उन्हें एम्स रेफर कर दिया। शाम को उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। परमेश्वर यादव के परिवार में जमीन के बंटवारे को लेकर काफी समय से विवाद चल रहा था। मृतक के चार बेटे रामशंकर, जयमल, शेर बहादुर और सुभाष थे। बड़े बेटे रामशंकर की वर्ष 2015 में बीमारी के कारण मौत हो गई थी। इसके बाद परमेश्वर ने बड़ी बहू सुमन, पत्नी जयमल, और उसके पांच बच्चों को परिवार से अलग घर के पास रहने की जगह दी थी। परिवार बटाई पर खेती करता था। सुमन के मुताबिक, परमेश्वर अपने अन्य तीन बेटों और उनके परिवारों का भी ध्यान रखते थे। इसी को लेकर उनका बड़ा बेटा रूपेश अपने हिस्से की जमीन की मांग कर रहा था।

एक बीघा जमीन देने की मांग कर रहा था

परमेश्वर के पास करीब चार बीघे खेती की जमीन थी। रूपेश (27) इसमें से एक बीघा जमीन मांग रहा था। जिससे की खेती कर परिवार का खर्च चला सकेगा। दादा के जमीन देने से इनकार करने पर वह और उसकी मां बटाई पर खेती करके घर का खर्च चलाते थे।

पुलिस पूछताछ में रूपेश ने बताया कि घर में दादा का ही निर्णय चलता था। जमीन में हिस्सा नहीं मिलने और पारिवारिक विवाद के चलते उसके मन में लंबे समय से रंजिश थी। इसको लेकर मार डाला।

जमीन के हिस्से को लेकर बढ़ता गया विवाद

परिजनों के अनुसार, रूपेश और उसके दादा के बीच जमीन के हिस्से को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। इसी विवाद को घटना की वजह बताया जा रहा है। पुलिस मामले में जमीन विवाद से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

डलमऊ कोतवाली प्रभारी राघवन कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जा रही है। घटना के बाद गांव में स्थिति शांत है और पुलिस निगरानी बनाए हुए है।

संगठन : निर्भान सिंह यादव और आशीष पाल को बिहार के बेगूसराय-समस्तीपुर की जिम्मेदारी मिली

दो युवा नेता बने युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय संयोजक

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई के दो युवा कांग्रेस नेताओं निर्भान सिंह यादव और आशीष पाल को संगठन में नई जिम्मेदारी मिली है। दोनों नेताओं को भारतीय युवा कांग्रेस का राष्ट्रीय संयोजक नियुक्त किया गया है। निर्भान सिंह यादव को राष्ट्रीय जिम्मेदारी के साथ बिहार के बेगूसराय और समस्तीपुर जिलों की संगठनात्मक जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। दोनों नेताओं की नियुक्ति की जानकारी रविवार को कांग्रेस कार्यालय हरदोई से दी गई। दोनों नेताओं को राष्ट्रीय स्तर की जिम्मेदारी मिलने के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह देखा गया। संगठन की ओर से उम्मीद जताई गई कि दोनों नेता अपनी नई जिम्मेदारियों के तहत युवा कार्यकर्ताओं को संगठन से जोड़ने और संगठनात्मक गतिविधियों को आगे बढ़ाने में भूमिका निभाएंगे।

आशीष पाल को भी मिली राष्ट्रीय जिम्मेदारी

उत्तर प्रदेश युवा कांग्रेस के प्रदेश सचिव और कांग्रेस प्रदेश कमेटी के सदस्य आशीष पाल को भी भारतीय युवा कांग्रेस का राष्ट्रीय संयोजक नियुक्त किया गया है। आशीष पाल लंबे समय से कांग्रेस के आंदोलनों, अभियानों और संगठनात्मक कार्यक्रमों में सक्रिय रहे हैं। उन्होंने जिले से लेकर प्रदेश और दिल्ली तक पार्टी के विभिन्न कार्यक्रमों में भागीदारी की है।

संगठन में कई जिम्मेदारियां संभाल चुके आशीष पाल वर्तमान में कांग्रेस प्रदेश कमेटी के सदस्य हैं। युवा कांग्रेस की गतिविधियों में भी उनकी भागीदारी लगातार रही है।

हरदोई से दिल्ली तक संगठन में सक्रिय रहे निर्भान

निर्भान सिंह यादव लंबे समय से कांग्रेस संगठन की गतिविधियों में सक्रिय रहे हैं। हरदोई से लेकर प्रदेश और दिल्ली तक उन्होंने पार्टी के विभिन्न कार्यक्रमों, अभियानों और संगठनात्मक गतिविधियों में भाग लिया है। अब उन्हें भारतीय युवा कांग्रेस में राष्ट्रीय स्तर की जिम्मेदारी दी गई है। इसके साथ ही बिहार के बेगूसराय और समस्तीपुर जिलों में संगठन से जुड़े कार्यों की जिम्मेदारी भी उन्हें सौंपी गई है। नई जिम्मेदारी के तहत निर्भान सिंह यादव को संबंधित क्षेत्रों में युवा कांग्रेस की संगठनात्मक गतिविधियों को आगे बढ़ाने और कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय स्थापित करने का काम करना होगा।

कांग्रेस पदाधिकारियों ने दी बधाई

निर्भान सिंह यादव और आशीष पाल को नई जिम्मेदारी मिलने पर कांग्रेस के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने बधाई दी।

बधाई देने वालों में जिलाध्यक्ष विक्रम पांडेय, शहर अध्यक्ष अनुपम दीक्षित, पीसीसी महासचिव सुभाष पाल, एससी/एसटी महासचिव सुरेंद्र कुमार, युवा कांग्रेस राष्ट्रीय प्रवक्ता गोपाल तिवारी, युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष मोहन सिंह, एनएसयूआई जिलाध्यक्ष ज्ञानू पाल, एनएसयूआई के पूर्व जिलाध्यक्ष हसन अहमद, ओबीसी जिलाध्यक्ष

अजीत विशाल नंदवंशी, एससी जिलाध्यक्ष विनीत वर्मा, जिला महासचिव गोपाल पांडेय और पीपी वर्मा समेत अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता शामिल रहे।

कुएं में मिला व्यक्ति का शव

जहरीली गैस की आशंका, 2 घंटे की मशक्कत के बाद निकाला

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में पेट्रोल पंप के पास रविवार को कुएं में एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से सनसनी फैल गई। शव मिलने की जानकारी पर मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव निकालने की कोशिश की, लेकिन कुएं के अंदर जहरीली गैस होने की आशंका के चलते पुलिसकर्मी नीचे नहीं उतर सके। मामला कोतवाली क्षेत्र के अकरमपुर गांव का है। पुलिस ने राहत-बचाव टीम को सूचना दी। इसके बाद फायर विभाग और एनडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। बचावकर्मियों ने सुरक्षा उपकरणों के साथ कुएं में उतरकर शव निकालने का काम शुरू किया। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद रविवार दोपहर लगभग 1:30 बजे शव को बाहर निकाला जा सका। पुलिस ने शव की तलाशी लेकर मृतक की पहचान कराने की कोशिश की, लेकिन उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस आसपास के गांवों में भी मृतक के बारे में जानकारी जुटा रही है।

स्थानीय युवक पंकज ने बताया कि कुएं के पास भीड़ देखकर लोगों को पता चला कि अंदर किसी व्यक्ति का शव पड़ा है। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव निकालने की प्रक्रिया शुरू की गई। पुलिस के अनुसार, शव कितने समय से कुएं में पड़ा था और व्यक्ति की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसकी जानकारी पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

फिलहाल मृतक की पहचान कराने के साथ मामले की जांच की जा रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और स्थानीय लोगों से भी जानकारी जुटाई जा रही है।

टांडा के तीन स्कूलों में काम अब तक शुरू नहीं, ठेकेदार को लेकर दबाव की शिकायत से बढ़ा विवाद

12 विद्यालयों को भवन की मंजूरी

- प्रधानाध्यापकों पर जिम्मेदारी का हवाला, मामला निदेशालय तक पहुंचने का दावा

विद्यालय भवन

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिले में 12 विद्यालय भवनों के निर्माण को मंजूरी मिलने के बाद नौ विद्यालयों में निर्माण कार्य शुरू हो गया है, जबकि टांडा क्षेत्र के तीन विद्यालयों में अभी तक काम शुरू नहीं हो सका है। निर्माण में देरी को लेकर विभागीय स्तर पर सवाल उठ रहे हैं। इसी बीच टांडा क्षेत्र के इन विद्यालयों में किसी विशेष या पसंदीदा ठेकेदार से निर्माण कराने के लिए दबाव बनाए जाने की शिकायत भी सामने आई है।

स्थानीय स्तर से मिली जानकारी के अनुसार, विद्यालय भवन निर्माण की जिम्मेदारी संबंधित विद्यालय के प्रधानाचार्य या प्रधानाध्यापक की होती है। नियमानुसार निर्माण कार्य के लिए योग्य व्यक्ति या एजेंसी का

चयन किया जा सकता है। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि इसके बावजूद टांडा क्षेत्र के तीन विद्यालयों में अधिकारियों की ओर से किसी विशेष ठेकेदार से निर्माण कार्य कराने के लिए दबाव बनाया जा रहा है। शिकायत के अनुसार, संबंधित ठेकेदार की ओर से विद्यालय परिसर और उसके बाहर निर्माण सामग्री भी गिराई गई है। वहीं, प्रधानाध्यापकों का कहना है कि भवन निर्माण की जिम्मेदारी उनके स्तर पर है। ऐसे में निर्माण कार्य में गुणवत्ता या किसी अन्य तरह की कमी मिलने पर जवाबदेही भी उनकी होगी। इसी वजह से प्रधानाध्यापकों की ओर से अधिकारियों के कथित दबाव को लेकर असमंजस की स्थिति जताई जा रही है। शिकायतकर्ताओं ने मामले में विभागीय स्तर पर जांच की मांग की है। जिले में कुल 12 विद्यालय भवनों के निर्माण को मंजूरी मिलने की जानकारी है। इनमें से नौ विद्यालयों में निर्माण कार्य शुरू हो चुका है, जबकि टांडा क्षेत्र के तीन विद्यालयों में अभी तक कार्य शुरू नहीं हुआ है। स्वीकृति के बावजूद निर्माण शुरू न होने से संबंधित विद्यालयों में भवन निर्माण की प्रक्रिया को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

शिकायतकर्ताओं का यह भी आरोप है कि अधिकारियों की ओर से बीएसए के दबाव का हवाला दिया गया।

इस संबंध में हुई बातचीत का ऑडियो उपलब्ध होने का दावा भी किया जा रहा है। हालांकि, सामने आए ऑडियो की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। इसलिए बातचीत में कही गई बातों और लगाए गए आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

एबीएसए पर दोबारा दबाव बनाने का आरोप

मामले की जानकारी लेने के दौरान संबंधित एबीएसए द्वारा कथित तौर पर विद्यालयों से अपने बताए ठेकेदार से ही काम कराने का दबाव बनाए जाने की बात सामने आई है। शिकायतकर्ताओं का यह भी आरोप है कि अधिकारियों की ओर से बीएसए के दबाव का हवाला दिया गया। इस संबंध में हुई बातचीत का ऑडियो उपलब्ध होने का दावा भी किया जा रहा है। हालांकि, सामने आए ऑडियो की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। इसलिए बातचीत में कही गई बातों और लगाए गए आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

जानकारी के अनुसार, मामला शिक्षा निदेशालय तक पहुंच चुका है। सोमवार को जिलाधिकारी के समक्ष भी शिकायत रखे जाने की बात सामने आई है। अब संबंधित अधिकारियों और विद्यालयों के स्तर से निर्माण कार्य शुरू नहीं होने के कारणों की जांच की मांग की जा रही है। मामले में लगाए गए ठेकेदार के दबाव, अधिकारियों की भूमिका और ऑडियो संबंधी दावों की स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हुई है। विभागीय जांच के बाद ही इन आरोपों की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

चार मिनट में खाली कराया गया भवन, छात्रों ने सीखी आग से बचाव की प्रक्रिया

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। एएसपी विद्यापीठ में शनिवार को अग्नि सुरक्षा मॉक ड्रिल आयोजित की गई। इसमें विद्यार्थियों, शिक्षकों और सहायक कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

मॉक ड्रिल के दौरान सभी ने आपात स्थिति में सुरक्षित तरीके से भवन से बाहर निकलने का अभ्यास किया। निर्धारित प्रक्रिया के तहत भवन को चार मिनट के भीतर खाली कराया गया।

इसके बाद सभी विद्यार्थी और कर्मचारी सुरक्षित निकासी के लिए तय सभा स्थल पर एकत्र हुए। इस दौरान आपात स्थिति में संयम बनाए रखने और निर्धारित निकासी मार्ग का उपयोग करने का अभ्यास कराया गया। मॉक ड्रिल का उद्देश्य विद्यार्थियों और कर्मचारियों को अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक करना था।

इसके साथ ही आपात स्थिति में त्वरित निर्णय, सुरक्षित निकासी और निर्धारित स्थान पर एकत्र होने

- एएसपी विद्यापीठ में अग्नि सुरक्षा मॉक ड्रिल, विद्यार्थी और कर्मचारियों ने आपात स्थिति में सुरक्षित निकासी का किया अभ्यास

की प्रक्रिया का अभ्यास कराया गया। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार, इस तरह की गतिविधियों से विद्यार्थियों और कर्मचारियों को आग जैसी आपात स्थिति में अपनाई जाने वाली सुरक्षा प्रक्रिया की जानकारी मिलती है।

फास्ट न्यूज

बिसुई नदी में तैरते मिले पशुओं के कटे सिर

अंबेडकरनगर। महरुआ और भीटी थाना क्षेत्र की सीमा पर नारायणपुर घाट के पास रविवार को बिसुई नदी में पशुओं के कटे हुए सिर तैरते मिले। नदी में अवशेष दिखाई देने की सूचना पर इलाके में हलचल मच गई। सूचना मिलते ही महरुआ और भीटी थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने नदी से अवशेषों को बाहर निकलवाया।

डीयू के किरोड़ीमल कॉलेज में अंबेडकरनगर के जुहैब का परचम

अंबेडकरनगर। जिला मुख्यालय के शास्त्री नगर निवासी जुहैब खान ने दिल्ली विश्वविद्यालय के किरोड़ीमल कॉलेज के छात्रसंघ चुनाव में उपाध्यक्ष पद पर जीत दर्ज की है। निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव मैदान में उतरे जुहैब को 978 वोट मिले। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी को 268 वोटों से पीछे छोड़ा। चुनाव में उपाध्यक्ष पद के लिए तीन प्रत्याशी मैदान में थे। जुहैब खान को 978, दूसरे प्रत्याशी को 710 और तीसरे प्रत्याशी को 191 वोट मिले। इस तरह सर्वाधिक मत हासिल कर जुहैब ने उपाध्यक्ष पद पर जीत दर्ज की।

17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलेगा भाजपा का सेवा संकल्प अभियान

अंबेडकरनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर से शुरू होकर 17 अक्टूबर तक चलने वाले सेवा संकल्प अभियान को लेकर भाजपा ने जिले में तैयारियां शुरू कर दी हैं। भाजपा जिला कार्यालय अटल भवन में जिलाध्यक्ष दिलीप पटेल देव ने प्रेस वार्ता कर अभियान के कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एक माह तक जिलेभर में जनसेवा, सामाजिक सरोकार और जनभागीदारी से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

कूड़ा निस्तारण का केंद्र अधूरा, परिसर में उगी झाड़ियां

मुकुंदपुर में सालों से अटका आरआरसी सेंटर का काम, शेड और चहारदीवारी बनीं पर नहीं शुरू हुआ संचालन

तमसा संकेत, संवाददाता

टांडा (अंबेडकरनगर)। गांव को कचरा मुक्त बनाने की योजना मुकुंदपुर में निर्माण की धीमी रफ्तार में अटक गई है। टांडा ब्लॉक की ग्राम पंचायत मुकुंदपुर में बनाया जा रहा रिसोर्स रिकवरी सेंटर (RRC) वर्षों बाद भी पूरा नहीं हो सका है। शेड और चहारदीवारी का निर्माण हो चुका है, लेकिन बाकी काम अधूरा होने से केंद्र का संचालन शुरू नहीं हुआ। केंद्र परिसर में फर्श का काम पूरा नहीं है। कचरा निस्तारण के लिए बनाए जाने वाले गड्ढे भी अधूरे हैं। ग्रामीणों के अनुसार कूड़ा छंटाई के लिए मशीनें भी अभी तक नहीं पहुंची हैं। लंबे समय से उपयोग में नहीं आने के कारण परिसर में झाड़ियां उग आई हैं। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत ग्राम पंचायतों में

RRC सेंटर बनाए जा रहे हैं। इनका उद्देश्य गांवों से निकलने वाले गीले और सूखे कचरे को अलग कर उसका निस्तारण करना है। गीले कचरे से कंपोस्ट और सूखे कचरे को अलग कर उपयोगी सामग्री के रूप में तैयार करने की व्यवस्था प्रस्तावित है। मुकुंदपुर में केंद्र तैयार नहीं होने से कूड़ा निस्तारण की यह व्यवस्था शुरू नहीं हो सकी है। ऐसे में ग्रामीणों के सामने गांव के कचरे के प्रबंधन का सवाल बना हुआ है। ग्रामीण संतोष वर्मा, विपिन वर्मा, संदीप वर्मा और इंद्रजीत वर्मा ने बताया कि ग्राम प्रधान और सचिव की ओर से केंद्र शुरू होने की जानकारी दी गई थी। उम्मीद थी कि गांव का कूड़ा एक जगह एकत्र कर उसका निस्तारण होगा। उनका कहना है कि केंद्र ही अधूरा पड़ा है तो योजना का लाभ कैसे मिलेगा। ग्रामीणों ने अधूरे निर्माण को पूरा कराने और मशीनें उपलब्ध कराकर RRC सेंटर का संचालन शुरू कराने की मांग की है।

अकबरपुर में सेक्टर बैठक में दिलीप विमल ने की कमेटियों की समीक्षा

चुनावी तैयारी में जुटी बसपा, बूथ स्तर तक संगठन पर जोर

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच बहुजन समाज पार्टी ने अकबरपुर विधानसभा क्षेत्र में संगठनात्मक गतिविधियां तेज कर दी हैं। रविवार को रुस्तमपुर अशरफ पट्टी में आयोजित सेक्टर स्तरीय बैठक में सेक्टर और पोलिंग बूथ कमेटियों के कामकाज की समीक्षा की गई। बैठक में संगठन की गतिविधियों और जमीनी स्तर पर सक्रियता की जानकारी ली गई। इस दौरान मिर्जाबेग-दुबखर सेक्टर में संगठन का काम अपेक्षा के अनुरूप नहीं मिलने पर संबंधित सेक्टर कमेटी को भंग कर नए सिरे से गठन करने के निर्देश दिए गए। बैठक के मुख्य अतिथि अयोध्या मंडल के मुख्य जोन

प्रभारी दिलीप कुमार विमल ने सेक्टर और पोलिंग बूथ कमेटियों के पदाधिकारियों से उनके स्तर पर किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन के विस्तार और बूथ स्तर पर सक्रियता बढ़ाने पर जोर दिया। विमल ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना जरूरी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से क्षेत्र में लगातार संपर्क बनाए रखने और संगठन की गतिविधियों को सक्रिय रूप से आगे बढ़ाने का आह्वान किया। दिलीप कुमार विमल ने अपने संबोधन में केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए। उन्होंने बेरोजगारी, महंगाई और अपराध को प्रमुख मुद्दे बताते हुए कहा कि छात्रों, नौजवानों, बेरोजगारों, किसानों और महिलाओं के हितों की रक्षा बसपा कर सकती है।

सेक्टर कमेटी के काम की हुई समीक्षा

बैठक के दौरान मिर्जाबेग-दुबखर सेक्टर में संगठनात्मक गतिविधियां अपेक्षा के अनुरूप नहीं मिलने पर कमेटी को भंग कर नए सिरे से गठन करने का निर्देश दिया गया। पार्टी नेताओं ने सेक्टर और बूथ स्तर के पदाधिकारियों से नियमित रूप से क्षेत्र में संपर्क बढ़ाने और संगठन को सक्रिय करने को कहा। बसपा की ओर से जिले के विधानसभा क्षेत्रों में सेक्टर और बूथ स्तर पर बैठकें कर संगठन को मजबूत करने की प्रक्रिया पहले से जारी है। बैठक का संचालन जिला सचिव राधेश्याम राजभर ने किया। इस दौरान अकबरपुर विधानसभा क्षेत्र के प्रभारी राजेंद्र भारती, जय प्रकाश सैनी, विधानसभा अध्यक्ष आज्ञाराम प्रधान, विजय कुमार, विनायक निषाद, जिला पंचायत सदस्य सप्पू वर्मा और ग्राम प्रधान अमरजीत समेत बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बहुजन प्रतिभा सम्मान समारोह में मेधावी छात्र-छात्राओं को साइकिल व प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

शिक्षा और संविधान की समझ से ही मजबूत होगा समाज : त्रिभुवन दत्त

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। बहुजन समाज सेवा संगठन (बीएस-3) के तत्वावधान में रविवार को अकबरपुर के मयूर रिसार्ट में बहुजन प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मेधावी छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र और साइकिल देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा, संविधान और सामाजिक जागरूकता को लेकर वक्ताओं ने विचार रखे। मुख्य अतिथि आलापुर विधायक एवं पूर्व सांसद त्रिभुवन दत्त ने कहा कि संविधान ने समाज के वंचित वर्गों को अधिकार और सम्मान दिलाने का काम किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार आरक्षण व्यवस्था के साथ छेड़छाड़ की कोशिश कर रही है।

मेधावी छात्र-छात्राओं का हुआ सम्मान

कार्यक्रम में भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ की विभागाध्यक्ष डॉ. पूनम चौधरी ने भी विचार रखे। विशिष्ट अतिथि सर्वोदय पीजी कॉलेज शाहपुर औरांव के प्रबंधक बदामा देवी और इंजीनियर कृपा शंकर रहे। अध्यक्षता बीएस-3 के संरक्षक मोहित राम ने की। संचालन रवि प्रकाश चौधरी ने किया। कार्यक्रम में संतोष कुमार, सहसंयोजक लाल बहादुर प्रभाकर, सत्येंद्र आर्य, इंजीनियर परमेश्वर राम, रामकेवल यादव, संतराज सक्सेना, कैलाश सिद्धार्थ, सभाजीत गौतम, गंगा प्रसाद यादव, विक्रम शाह, पवन कुमार, सुनील कुमार, व्यासजी, अजय गौतम एडवोकेट, अखिलेश यादव जय जय, योगेंद्र आर्य, जयराम, रजनीश और रवींद्र कुमार समेत अन्य मौजूद रहे।

- त्रिभुवन दत्त ने कहा कि महापुरुषों के विचारों से प्रेरणा लेकर सामाजिक कार्यों को आगे बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने सावित्रीबाई फुले का उदाहरण देते हुए कहा कि बालिकाओं की शिक्षा के लिए उन्होंने सामाजिक विरोध के बावजूद काम जारी रखा। आज बालिकाओं को शिक्षा का अधिकार मिलना इसी संघर्ष का परिणाम है।

धान खरीद से पहले सहकारिता विभाग में बढ़ी खींचतान

सचिवों के बीच एक-दूसरे पर शिकायतों का दौर

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिले में एक नवंबर से धान खरीद शुरू होनी है। प्रशासन ने इसके लिए 99 क्रय केंद्र तय किए हैं। इसी बीच सहकारिता विभाग में सचिवों के बीच आपसी विवाद और शिकायतों का दौर तेज हो गया है। एक सचिव के खिलाफ मुकदमा दर्ज होने के बाद अन्य समितियों को लेकर शिकायतें सामने आने लगी हैं। विभागीय अधिकारी अब इन मामलों की जांच कराने की तैयारी में हैं। मामले की शुरुआत करीब दो महीने पहले कटेहरी क्षेत्र के कृषक ईश्वरचंद्र वर्मा की शिकायत से हुई। आरोपों के आधार पर असैतपुर कला सहकारी समिति के सचिव दुर्गा प्रसाद पांडेय के खिलाफ खाद्यान्न उठान समेत अन्य अनियमितताओं को लेकर मुकदमा दर्ज हुआ था। सचिव ने मामले में उच्च न्यायालय से स्थगन आदेश लिया है।

उनका पक्ष है कि लगाए गए आरोप निराधार हैं। विभागीय स्तर पर आरोप है कि इसके बाद कई समितियों की कार्यप्रणाली को लेकर अलग-अलग शिकायतें सामने आने लगीं। सहकारी समिति बसखारी-एक और तुरसमपुर-तिलकापुर में धान खरीद एवं परिवहन व्यवस्था को लेकर भी शिकायत की गई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि बिना जीपीएस सत्यापन के धान मिलों तक पहुंचाया गया। क्रय किए गए धान के मूल अभिलेख, जीपीएस ट्रैकिंग और ई-उपार्जन रिकॉर्ड की जांच की मांग की गई है। इन आरोपों की विभागीय जांच अभी बाकी है।

पांच-छह वर्ष पहले चावल रिकवरी को लेकर विवादों में रही महरुआ सहकारी समिति को इस बार क्रय केंद्र बनाए जाने की तैयारी का मामला भी सामने आया है। वहीं बसखारी की जीवत समिति का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हुआ था। इस मामले में एडीएम ने जांच के बाद सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता को केस दर्ज कराने का निर्देश दिया था। शिकायतकर्ता के अनुसार, इस पर अभी कार्रवाई नहीं हुई है। सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता राघवेंद्र प्रताप शुक्ल ने कहा कि सचिवों के आपसी विवाद से विभाग की छवि प्रभावित हो रही है। दो-चार दिन में प्रकरण की जांच कराई जाएगी। जांच में दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

निर्देश : अकबरपुर में अपना दल एस के जिला कार्यकर्ता समागम में अनुप्रिया पटेल ने कहा- जिस सीट पर जो दल लड़ेगा

2027 की तैयारी में जुटा एनडीए, सहयोगी दलों के कार्यकर्ताओं को साथ चलने का संदेश

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर अपना दल (एस) ने संगठनात्मक गतिविधियां तेज कर दी हैं। रविवार को अकबरपुर में आयोजित जिला कार्यकर्ता समागम में केंद्रीय मंत्री एवं पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल ने कार्यकर्ताओं को चुनावी तैयारी के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एनडीए के सभी सहयोगी दलों को संगठन मजबूत करने के साथ चुनावी तैयारियों में जुटना है। यह जानकारी समागम में उनके संबोधन के आधार पर सामने आई है। अनुप्रिया पटेल ने कहा कि एनडीए के पांचों सहयोगी दलों में जिस सीट पर जिस दल का

प्रत्याशी होगा, बाकी सहयोगी दलों के कार्यकर्ता उसकी जीत के लिए काम करेंगे। उन्होंने संगठन को मजबूत करने और कार्यकर्ताओं को सक्रिय रखने पर जोर दिया। एक्सप्रेसवे, रेल और एयरपोर्ट का किया उल्लेख केंद्रीय मंत्री ने प्रदेश में बीते वर्षों में हुए विकास कार्यों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में एक्सप्रेसवे, रेल नेटवर्क, मेट्रो और एयरपोर्ट सुविधाओं का विस्तार हुआ है। उनके अनुसार प्रदेश में बुनियादी ढांचे से जुड़े कई क्षेत्रों में काम हुआ है। उन्होंने कहा कि एनडीए में नए सहयोगी दल के जुड़ने से गठबंधन का दायरा बढ़ा है। ऐसे में सभी दलों के बीच समन्वय बनाकर सीटों का बंटवारा किया जाएगा।

सीट बंटवारे पर अभी नहीं हुई बातचीत

सीटों के बंटवारे के सवाल पर अनुप्रिया पटेल ने कहा कि फिलहाल इस संबंध में बातचीत शुरू नहीं हुई है। समय आने पर सभी सहयोगी दल बैठकर सीटों के बंटवारे पर निर्णय लेंगे। उन्होंने कहा कि इसमें संबंधित सीट के जातीय समीकरण और चुनावी स्थिति को ध्यान में रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि एनडीए में नए सहयोगी दल के जुड़ने से गठबंधन का दायरा बढ़ा है। ऐसे में सभी दलों के बीच समन्वय बनाकर सीटों का बंटवारा किया जाएगा।

पार्टी की कमेटी तय करेगी दावेदारी

अपना दल (एस) की राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि पार्टी की बड़ी कमेटी यह तय करेगी कि किन सीटों पर चुनाव लड़ने की दावेदारी की जाए। उन्होंने सीटों की मांग और बंटवारे को गठबंधन का आंतरिक विषय बताया। उनका कहना था कि सभी सहयोगी दलों का साझा लक्ष्य 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए मिलकर काम करना है।

अंबेडकरनगर भाजपा की कमान अवधेश श्रीवास्तव को, 2027 से पहले संगठन में बड़ा बदलाव

बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करने और कार्यकर्ताओं से समन्वय पर रहेगा जोर

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। विधानसभा चुनाव 2027 से पहले भारतीय जनता पार्टी ने उत्तर प्रदेश में संगठनात्मक फेरबदल करते हुए अंबेडकरनगर की जिम्मेदारी अवधेश श्रीवास्तव को सौंपी है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी की ओर से 19 सितंबर को जारी नई जिला प्रभारी सूची में अंबेडकरनगर के लिए अवधेश श्रीवास्तव का नाम शामिल है। प्रदेश के अलग-अलग सांगठनिक जिलों के लिए नए प्रभारियों की नियुक्ति की गई है। नई जिम्मेदारी के साथ अंबेडकरनगर में भाजपा की संगठनात्मक गतिविधियों को आगे बढ़ाने की प्रक्रिया तेज होने की उम्मीद है। जिला प्रभारी के स्तर पर जिला संगठन, मंडल पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय, पार्टी कार्यक्रमों की निगरानी और बूथ स्तर की तैयारियों को गति देने की जिम्मेदारी रहेगी। 2027 के विधानसभा चुनाव को देखते हुए बूथ

कमेटियों की सक्रियता, कार्यकर्ताओं से संवाद और स्थानीय स्तर पर संगठन के विस्तार पर पार्टी का फोकस रहेगा। अंबेडकरनगर की पांच विधानसभा सीटों पर 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को जीत नहीं मिली थी। जिले की अकबरपुर, कटेहरी, टांडा, जलालपुर और आलापुर सीटों पर समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार विजयी हुए थे। इसके बाद 2024 के लोकसभा चुनाव में भी अंबेडकरनगर संसदीय सीट पर भाजपा को जीत नहीं मिली। ऐसे में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले जिले में संगठन को मजबूत करना पार्टी की तैयारियों का एक अहम हिस्सा माना जा रहा है। लोकसभा चुनाव के बाद नवंबर 2024 में कटेहरी विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में भाजपा के धर्मराज निषाद ने जीत दर्ज की थी। उन्होंने सपा की शोभावती वर्मा को 33,828 मतों के अंतर से हराया था। उपचुनाव में भाजपा को मिली इस जीत के बाद जिले में पार्टी संगठन के लिए नया राजनीतिक आधार तैयार हुआ। अब नई जिला प्रभारी की नियुक्ति के बाद पार्टी के सामने कटेहरी में संगठनात्मक सक्रियता बनाए रखने के साथ जिले की अन्य विधानसभा सीटों में भी संगठन को मजबूत करने की जिम्मेदारी रहेगी। अवधेश श्रीवास्तव की नई जिम्मेदारी के तहत जिला संगठन और मंडल स्तर के पदाधिकारियों के बीच बेहतर समन्वय पर जोर रहेगा। इसके साथ ही कार्यकर्ताओं से संवाद, पार्टी के अभियानों और कार्यक्रमों की निगरानी तथा बूथ स्तर पर संगठन की गतिविधियों को सक्रिय रखने की दिशा में काम किया जाएगा।

सम्पादकीय

भारत में नीरो और किम जोंग उन का जिक्र

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 17 सितंबर को 76 बरस के हो गए। उन्हीं की बनाई परिपाटी के मुताबिक उन्हें सत्ता से हटकर भाजपा के मार्गदर्शक मंडल का हिस्सा बन कर रह जाना चाहिए था। लेकिन नरेन्द्र मोदी अपने लिए अलग नियम बनाते हैं और दूसरों के लिए अलग। जैसे प.एशिया के तनाव के कारण जो वैश्विक आर्थिक संकट आया, उसमें मोदी ने जनता से अपील की कि वे विदेश न जाएं, लेकिन उसके फौरन बाद खुद एक के बाद एक विदेश यात्राओं पर निकल गए। मोदी ने जनता से ये अपील भी की थी कि तेल का इस्तेमाल कम करें, इस के बाद भाजपा नेताओं ने कुछ दिनों तक अपने काफिले में वाहनों की संख्या कम करने और सार्वजनिक यातायात साधनों से सफर की नौटंकी भरे वीडियो बनवाए, लेकिन अब मोदी के जन्मदिन पर भाजपा और भाजपा सरकारें लाखों-करोड़ों दीए जलवा रही है। इससे भी जाहिर होता है कि मोदी की कथनी और करनी एक नहीं है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने कुछ दिन पहले ही अपील की थी कि 17 सितंबर की शाम को सभी अपने-अपने घरों में दीए जलाएं, इसे उन्होंने आशीर्वाद का दीया करार दिया। पता नहीं नरेन्द्र मोदी की सत्ता को लेकर भाजपा कितना असुरक्षित महसूस करती है, जो तीन बार प्रधानमंत्री बनने के बावजूद उनके लिए भाजपा नेताओं को अपील करनी पड़ती है। चुनाव के वक्त ऐसे प्रचार करना, वोट मांगना, सत्ता के लिए आशीर्वाद मांगना फिर भी जायज़ लगता है, लेकिन जब देश में चारों तरफ जनता दुखों और तकलीफों में घिरी दिखाई दे, तब खुद को 140 करोड़ लोगों के परिवार का मुखिया कहने वाला व्यक्ति अपने जन्मदिन का जश्न जबरदस्ती मनवाए तो इससे बड़ी विडंबना किसी लोकतांत्रिक देश के लिए नहीं हो सकती। नरेन्द्र मोदी चाहते तो भाजपा अध्यक्ष की अपील पर विनम्रता से इंकार करते हुए कह सकते थे कि जब मेरे देशवासी तकलीफों में हैं, तो मैं अपने जन्मदिन का जश्न नहीं मनाना चाहता। इससे उनका कद वाकई बड़ा होता। लेकिन इसकी जगह नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया पर इस तरह के आशीर्वाद मिलने पर खुशी ही जताई है। जाहिर है उन्हें रत्ती भर भी जनता की परवाह नहीं है। 2008 में जब मुंबई में आतंकी हमला हुआ था, तो सोनिया गांधी ने 9 दिसंबर को अपना जन्मदिन न मनाने की अपील की थी, इसी तरह 2019 में उन्होंने महिलाओं पर बढ़ते अत्याचारों को देखते हुए जन्मदिन न मनाने का फैसला लिया था। इसी तरह 2022 में जब अग्निपथ योजना के खिलाफ देश के कई हिस्सों में विरोध प्रदर्शन हो रहे थे तो 9 जून को जन्मदिन से पहले राहुल गांधी ने कहा था कि, 'मैं देश भर के सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं और अपने शुभचिंतकों से अपील करता हूं कि मेरे जन्मदिन के मौके पर किसी भी तरह का जश्न न मनाएं।' इससे पहले 2020 और 2021 में कोविड महामारी के दौरान भी राहुल ने ऐसी ही अपील की थी। लोकतांत्रिक देश में सार्वजनिक जीवन में नेताओं का व्यवहार ऐसा ही होना चाहिए। लेकिन नरेन्द्र मोदी में लोकतांत्रिक प्रवृत्ति रत्ती भर भी नजर नहीं आती। रोम जल रहा था और नीरो बांसुरी बजा रहा था, जैसी मिसालें भी इस व्यवहार के आगे हल्की नजर आती हैं। सोशल मीडिया पर नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन की भाजपा और सरकारी पहलों पर एक टिप्पणी पढ़ने मिली बधाई हो किम जोंग उन हुआ है। उत्तर कोरिया के तानाशाह का नाम इस तरह भारतीय संदर्भ में आना लोकतंत्र के लिए उभर चुके खतरनाक लक्षणों को दिखा रहा है। गनीमत है कि भारत में हम अब भी कम से कम यह लिख-बोल पा रहे हैं कि सरकार का कौन सा फैसला सही है, कौन सा गलत। विपक्ष की आवाज को अमीर मीडिया घरानों में भले जगह न दी जाए, लेकिन सोशल मीडिया पर विपक्ष को सुना जा रहा है। उ.कोरिया में यह सब मुमकिन नहीं है। पर भारत में भी कब तक मुमकिन रह पाएगा, इसकी चिंता बढ़ती जा रही है। इस समय बाढ़ की भारी तबाही से बिहार जूझ रहा है, कम से कम 50 लाख लोग बाढ़ के खतरों का सामना कर रहे हैं। कुछ समय पहले ही असम में ऐसी ही तबाही आई थी। इधर दिल्ली में सत्य निकेतन हादसे की भयावहता अब तक कायम है। मणिपुर में तो पिछले तीन सालों से अशांति बनी हुई है। हजारों लोग राहत शिविरों में रह रहे हैं, क्योंकि उनके अपने घर जातीय हिंसा की भेंट चढ़ चुके हैं। लेकिन राहत शिविरों में भी लोग सुरक्षित नहीं हैं। 8 जिलों में कम से कम 640 मौतें दर्ज की गई हैं। जिस पर अब सुप्रीम कोर्ट ने भी मणिपुर सरकार से जवाब मांगा है। मध्यप्रदेश में बालाघाट में कम से कम 30 बैगा आदिवासी बच्चों की मौत दूषित पानी के कारण हो चुकी है।

युद्ध की राख से शांति का नया संसार कैसे बने?

> "भारत की शांति-दृष्टि भी इस संदर्भ में महत्वपूर्ण है। पंचशील के सिद्धांत- एक-दूसरे की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान, आक्रामकता से परहेज, आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करना, समानता एवं पारस्परिक लाभ तथा शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व- अंतरराष्ट्रीय संबंधों में संवाद और सह-अस्तित्व की अवधारणा को मजबूत करते हैं।

21 सितम्बर का अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस इस वर्ष ऐसे समय में आया है, जब दुनिया को शांति की सबसे अधिक जरूरत है। रूस-यूक्रेन युद्ध लंबा खिंच चुका है, पश्चिम एशिया में इजराइल-गाजा संघर्ष की मानवीय त्रासदी समाप्त नहीं हुई है और 2026 में अमेरिका-इजराइल तथा ईरान के बीच भीषण सैन्य संघर्ष ने पूरे क्षेत्र की सुरक्षा एवं वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है। ऐसे वातावरण में शांति केवल एक आदर्श या कूटनीतिक शब्द नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के अस्तित्व की अनिवार्य शर्त बन गई है। संयुक्त राष्ट्र ने 2026 के अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस की थीम रखी है-"शांति में निवेश करें-सभी के लिए, हर जगह, हर दिन।" संयुक्त राष्ट्र के अनुसार शांति का अर्थ केवल युद्ध की अनुपस्थिति नहीं, बल्कि सुरक्षा, गरिमा, अवसर और सहयोग का ऐसा वातावरण है जिसमें मनुष्य भयमुक्त होकर जीवन जी सके। इस वर्ष विशेष रूप से उन 'रोजमर्रा के शांति-निर्माताओं' को रेखांकित किया जा रहा है, जो अपने परिवार, समुदाय, विद्यालय और समाज में संवाद तथा विश्वास की नींव मजबूत करते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग भी शांति की खोज एवं शांति की स्थापना में होना चाहिए। ब्रिक्स 2026 की अध्यक्षता करते हुए भारत ने शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के महत्व को ही रेखांकित किया है।

दुनिया की वर्तमान स्थिति इस संदेश को और महत्वपूर्ण बनाती है। रूस-यूक्रेन युद्ध के साढ़े चार वर्ष से अधिक समय बाद भी हिंसा समाप्त नहीं हुई है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार जुलाई 2026 में यूक्रेन में कम-से-कम 437 नागरिक मारे गए और 2,610 घायल हुए-मार्च 2022 के बाद किसी एक महीने में दर्ज सबसे अधिक नागरिक क्षति में से एक है। मिसाइलों, ड्रोन और हवाई हमलों ने शहरों, ऊर्जा ढांचे और सामान्य नागरिक जीवन को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। सितंबर में अमेरिका, रूस और यूक्रेन के बीच वार्ता फिर शुरू करने की संभावनाओं पर चर्चा हुई है, लेकिन क्षेत्रीय नियंत्रण सहित कई महत्वपूर्ण प्रश्न अभी भी विवादित हैं। पश्चिम एशिया की स्थिति भी विश्व-शांति के लिए गंभीर चुनौती है। गाजा में संघर्ष और मानवीय संकट पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार सितंबर 2026 में भी वहां हवाई हमलों और सैन्य कार्रवाइयों के कारण नागरिकों की मौतें जारी थीं और बड़ी संख्या में लोग विस्थापित जीवन जी रहे थे। दूसरी ओर, फरवरी 2026 से अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच शुरू हुआ संघर्ष क्षेत्रीय तनाव को व्यापक बना चुका है। ईरान के हमलों और अमेरिकी तथा इजराइली सैन्य कार्रवाइयों ने केवल संबंधित देशों को ही नहीं, बल्कि खाड़ी क्षेत्र, ऊर्जा आपूर्ति और अंतरराष्ट्रीय व्यापार मार्गों को भी प्रभावित किया है। सितंबर में भी इस युद्ध के समाप्त होने की स्पष्ट स्थिति नहीं बनी थी।

इन युद्धों की सबसे बड़ी कीमत सैनिकों से कहीं अधिक आम नागरिक चुका रहे हैं। घर उजड़ते हैं, बच्चे शिक्षा से वंचित होते हैं, अस्पताल और ऊर्जा व्यवस्था प्रभावित होती है, रोजगार समाप्त होते हैं और लाखों लोग विस्थापित होते हैं। युद्ध केवल वर्तमान को नहीं जलाता, वह आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को भी कमजोर करता है। इसलिए शांति की चर्चा केवल सीमाओं और सेनाओं के संदर्भ में नहीं, बल्कि मानवाधिकार, विकास, पर्यावरण, शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक सुरक्षा के संदर्भ में भी करनी होगी। शांति स्थापित करने का पहला रास्ता संवाद है। युद्धरत देशों के बीच प्रत्यक्ष संवाद कठिन हो सकता है, लेकिन असंभव नहीं। युद्ध के बीच भी मानवीय गलियारे, युद्धविराम, कैदियों की अदला-बदली, नागरिकों की सुरक्षा और मानवीय सहायता के रास्ते खुले रखने चाहिए। स्थायी शांति के लिए बातचीत में केवल शक्तिशाली देशों की भूमिका पर्याप्त नहीं है; क्षेत्रीय देशों, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं, नागरिक समाज और प्रभावित समुदायों की आवाज भी शामिल होनी चाहिए।

दूसरा रास्ता है हथियारों की दौड़ के बजाय शांति में निवेश। दुनिया सैन्य क्षमता पर जितना खर्च करती है, उसका एक हिस्सा यदि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, जलवायु संरक्षण और संघर्ष-प्रभावित क्षेत्रों के पुनर्निर्माण पर लगाया जाए तो हिंसा की जड़ों को कमजोर किया जा सकता है। शांति केवल युद्ध समाप्त करने से नहीं आती; गरीबी, असमानता, बेरोजगारी, भेदभाव और अवसरों की कमी जैसे कारणों पर काम करना भी शांति-निर्माण का हिस्सा है। तीसरा महत्वपूर्ण उपाय है विश्वसनीय अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को मजबूत करना। संयुक्त राष्ट्र की स्थापना ही अंतर-राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हुई थी। आज आवश्यकता इस बात की है कि बहुपक्षीय संस्थाएं अधिक प्रभावी, प्रतिनिधित्वपूर्ण और जवाबदेह बनें। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने 2026 के संदेश में कूटनीति, संवाद, बातचीत, शांति स्थापना, मानवाधिकार और सतत विकास में निवेश को स्थायी शांति के महत्वपूर्ण साधन बताया है।

महावीर का अहिंसा संदेश, बुद्ध की करुणा, गांधी का सत्य-अहिंसा दर्शन और आधुनिक भारत की शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की परंपरा दुनिया को यह स्मरण कराती है कि शक्ति का सर्वोच्च रूप विनाश नहीं, संयम और मानवीयता है। शांति केवल सरकारों की जिम्मेदारी भी नहीं है। घर में संवाद, विद्यालय में सहिष्णुता, समाज में भाईचारा और डिजिटल माध्यमों पर जिम्मेदार भाषा-ये सब विश्वशांति की ही छोटी इकाइयां हैं। आज सोशल मीडिया पर नफरत, झूठी सूचनाएं और उकसाने वाली भाषा सामाजिक तनाव को बढ़ाती हैं। इसलिए डिजिटल शांति भी 21वीं सदी की एक बड़ी आवश्यकता है। बच्चों और युवाओं को विवाद का उत्तर हिंसा से नहीं, तर्क, संवाद और सहानुभूति से देना सिखाना होगा।

सफेद कबूतर शांति का प्रतीक जरूर है, लेकिन अब प्रतीकों से आगे बढ़कर शांति की ठोस संरचना बनाने का समय है। युद्ध रोकने के लिए कूटनीति, नागरिकों की रक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय कानून, पीड़ितों के लिए मानवीय सहायता, विवादों के समाधान के लिए मध्यस्थता और युद्ध के बाद पुनर्निर्माण के लिए वैश्विक सहयोग-इन सभी को समान महत्व देना होगा।

ललित गर्ग

अगर भारत ब्रिक्स ...

डॉ.अजीत रानाडे

ब्रिक्स सम्मेलन : भारत-चीन रिश्तों की अब असली परीक्षा

चीन के साथ रिश्तों में नरमी आने से अमेरिका, यूरोप, जापान या क्वाड के साथ भारत के संबंधों पर असर नहीं पड़ना चाहिए। भारत को ब्रिक्स, एससीओ, क्वाड, जी-20 और अन्य उपयोगी समूहों में एक साथ सक्रिय रहना चाहिए। भारत के भविष्य के फैसले इनमें से किसी भी रिश्ते के बंधक नहीं हो सकते। यही रणनीतिक स्वायत्तता है। अगले साल चीन ब्रिक्स की अध्यक्षता संभालेगा। दिल्ली में हाल ही में हुए ब्रिक्स समिट को शायद किसी बहुत दमदार घोषणा के लिए याद न किया जाए लेकिन इस सम्मेलन की वजह से भारत को होने वाले ज़्यादा अहम नतीजे पर ध्यान नहीं जा पाएगा। क्या ब्रिक्स ने भारत-चीन रिश्तों में सुधार की रफ़्तार बढ़ाने में मदद की? भारत की कूटनीतिक कामयाबी यह नहीं थी कि उसने समिट का आयोजन किया क्योंकि वैसे भी ब्रिक्स की अध्यक्षता भारत के पास ही थी। असल कामयाबी यह थी कि वह ऐसे देशों के बीच एक साझा घोषणापत्र तैयार करवा पाया जिनके हित अक्सर टकराते हैं। तनाव के बावजूद ईरान और यूएई एक ही मेज़ पर बैठ सके, चीन पहलगाम आतंकी हमले की निंदा करने वाली भाषा पर सहमत हो सका और सदस्य देश पश्चिम एशिया में बातचीत पर सहमत हो सके जबकि उनके गुट और झुकाव बिल्कुल अलग-अलग थे। भारत ने 2023 में अपनी जी-20 अध्यक्षता के दौरान भी कुछ ऐसा ही किया था जब उसने यूक्रेन मुद्दे पर गहरे मतभेदों के बावजूद आम सहमति वाली भाषा तैयार की थी। यहां हमारे अपने देश के लिए भी एक सबक है। अगर भारत ब्रिक्स के भीतर विरोधाभासों को संभाल सकता है तो वह चीन के साथ अपने कई तरह के रिश्तों में मौजूद विरोधाभासों को क्यों नहीं संभाल सकता? समिट के दौरान मोदी और शी की मुलाक़ात साझा बयान से कहीं ज़्यादा अहम थी। शी सात साल में पहली बार भारत के दौरे पर आए थे। दोनों नेताओं ने सीमा पर शांति, व्यापारिक संबंधों, बाज़ार तक पहुंच, व्यापार में संरचनात्मक असंतुलन और आपसी आदान-प्रदान बढ़ाने पर चर्चा की। इसे सुलह कहना बेवकूफी होगी लेकिन यह निश्चित से एक मौका है। इस तरह की यथार्थवादी सोच के पीछे मज़बूत आर्थिक कारण हैं। चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा लगभग 112 अरब डॉलर है। फिर भी हमारी निर्भरता मुख्यरूप से सस्ते खिलौनों पर नहीं है। चीन ज़रूरी एपीआई, इलेक्ट्रॉनिक पुर्ज़े, मशीनरी, सोलर इनपुट और प्रोसेस किए गए अहम खनिज सप्लाई करता है। गलवान के बाद भारत ने चीनी निवेश और तकनीक तक पहुंच को कड़ा कर दिया। फिर भी आयात बढ़ता रहा। राजनीतिक जुड़ाव कम करने की कोशिश से आर्थिक निर्भरता खत्म नहीं हुई। चीन के प्रति भारत का नज़रिया किसी याचक जैसा नहीं है। चीन की आर्थिक ताक़त ज़बरदस्त है लेकिन उसमें कुछ गंभीर कमज़ोरियां भी हैं। वहां की आबादी बूढ़ी हो रही है, वर्कफ़ोर्स कम हो रहा है, प्रॉपर्टी सेक्टर मुश्किलों में है, कर्ज़ ज़्यादा है, घरेलू खपत कमज़ोर है और ज़रूरत से ज़्यादा इंडस्ट्रियल कैपेसिटी के लिए बाहरी बाज़ारों की ज़रूरत बढ़ रही है। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष को उम्मीद है कि मध्यम अवधि में विकास दर धीमी रहेगी क्योंकि डेमोग्राफ़िक्स, कमज़ोर प्रोडक्टिविटी और निवेश पर घटता रिटर्न असर डालेंगे। इसलिए चीन को भी भारत की ज़रूरत है। भारत दुनिया के सबसे बड़े और तेज़ी से बढ़ते बाज़ारों में से एक है। यहां युवा वर्कफ़ोर्स है और यह चीनी पूंजी के लिए एक विकल्प है जिसे दूसरी जगहों पर बढ़ती रुकावटों का सामना करना पड़ रहा है।, बल्कि यह है कि अगर आप भारतीय बाज़ार तक पहुंच चाहते हैं तो यहां मैन्युफ़ैक्चरिंग करें, यहां लोगों को रोज़गार दें, यहां से ज़्यादा सामान खरीदें और यहीं से एक्सपोर्ट करें। प्रेस नोट 3 प्रतिशत पर बिना सोचे-समझे शक करने के बजाय जोखिम के आधार पर जांच की ओर बढ़ना चाहिए। टेलीकॉम नेटवर्क में चीन की भागीदारी, हाईवे, वेयरहाउस, पानी या सिंचाई प्रोजेक्ट में चीन की सिर्फ़ पूंजी (कैपिटल) लगाने से साफ़ तौर पर और अलग है। इसे अलग-थलग रहकर जुड़ाव (क्वारंटीन्ड एंगेजमेंट) कहा जा सकता है। चीनी पर्यटकों, बिज़नेस के लिए आने वालों, शिक्षाविदों और इंजीनियरों के लिए वीज़ा प्रक्रिया आसान बनाई जाए।

मशरूम उत्पादन ...

डॉ0 सीमा गुप्ता

डा0 मनोज चन्द्रापारंपरिक फसलों से आगे बढ़कर मशरूम उत्पादन में नई मिसाल बनाते शाहजहांपुर के किसान

प्रदेश सरकार एवं केंद्र सरकार द्वारा किसानों की आय में सतत वृद्धि करने तथा उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से औद्यानिक विकास योजनाओं का सघन क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है। पारंपरिक खाद्यान्न फसलों पर अत्यधिक निर्भरता को कम करते हुए उच्च मूल्य वाली नकदी फसलों, संरक्षित खेती और आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाना वर्तमान विकास नीतियों की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी क्रम में जनपद शाहजहांपुर में औद्यानिक फसलों का दायरा बढ़ाकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को एक सुदृढ़ और टिकाऊ आधार प्रदान किया जा रहा है।

जनपद शाहजहांपुर ऐतिहासिक रूप से धान, गेहूं और गन्ने की पारंपरिक खेती का प्रमुख केंद्र रहा है। यद्यपि इन फसलों से किसानों को नियमित उत्पादन प्राप्त होता रहा है, परंतु कृषि लागत में लगातार वृद्धि, रासायनिक खादों पर निर्भरता और अनपेक्षित मौसमी उतार-चढ़ाव के कारण प्रति हेक्टेयर शुद्ध लाभ सीमित होता गया। इस परिदृश्य को बदलने के लिए जिला प्रशासन एवं उद्यान विभाग द्वारा जनपद में फसल विविधीकरण को विशेष प्रोत्साहन दिया जा रहा है, जिससे किसान आधुनिक औद्यानिक पद्धतियों से जुड़कर अपनी आय में उल्लेखनीय सुधार कर रहे हैं।

कृषि विविधीकरण के अंतर्गत जनपद में मशरूम उत्पादन एक अत्यंत लाभकारी और क्रांतिकारी विकल्प के रूप में उभरा है। मशरूम की खेती के लिए विस्तृत कृषि भूमि की बाध्यता नहीं होती, बल्कि न्यूनतम स्थान में नियंत्रित तापमान और आर्द्रता के भीतर इसका उच्च गुणवत्तायुक्त उत्पादन संभव है। कम समय चक्र और स्थानीय बाजारों में बढ़ती पौष्टिक आहार की मांग के कारण जनपद के युवाओं और प्रगतिशील कृषकों में इस उद्यम के प्रति निरंतर उत्साह देखा जा रहा है।

संस्थागत संबल प्रदान करने के लिए केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा संचालित एकीकृत बागवानी विकास मिशन (डप्क्भ्) के तहत व्यापक वित्तीय और तकनीकी सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। योजना के प्रावधानों के अनुसार, 200 वर्ग फीट क्षेत्रफल की अस्थाई लो-कॉस्ट मशरूम उत्पादन इकाई की स्थापना हेतु कुल परियोजना लागत लगभग 2.00 लाख रुपये निर्धारित की गई है। इस पर सरकार द्वारा 50 प्रतिशत तक का पूंजीगत अनुदान, यानी अधिकतम 1.00 लाख रुपये की वित्तीय सहायता दी जाती है। यह अनुदान प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (क्ठज्) प्रणाली के माध्यम से सीधे लाभार्थी किसान के बैंक खाते में पारदर्शी रूप से अंतरित किया जाता है।

जनपद शाहजहांपुर में इस योजना के प्रभावी क्रियान्वयन का उत्कृष्ट उदाहरण तहसील तिलहर अंतर्गत विकास खंड मदनापुर के ग्राम मथाना निवासी प्रगतिशील किसान सत्यपाल (आत्मज ब्रजलाल) की सफलता है। सत्यपाल पूर्व में अपनी जोत पर धान, गेहूं और गन्ने की पारंपरिक खेती करते थे, जिसमें अत्यधिक श्रम और लागत के सापेक्ष नाममात्र की बचत हो पाती थी।

जरा हटके

मिलेट्स को वैज्ञानिक...

डा0 मनोज चन्द्रा

श्रीअन्न से उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य और समृद्धि की बन रही है नई पहचान

मानव सभ्यता के विकासक्रम में कृषि का स्थान सर्वोपरि रहा है, और इस कृषि यात्रा में मिलेट्स यानी श्रीअन्न हमारे सबसे प्राचीन साथी रहे हैं। हज़ारों वर्षों से भारत की शुष्क और अर्ध-शुष्क भूमियों पर ज्वार, बाजरा, रागी, कोदो, सावां, कंगनी और कुटकी जैसी फसलों ने न केवल पेट भरा, बल्कि समाज को रोगमुक्त भी रखा। विडंबना यह रही कि हरित क्रांति के दौर में गेहूं और धान की अधिक उपज वाली किस्मों पर ध्यान केंद्रित करने के कारण, ये सुपरफूड्स हमारी थालियों से धीरे-धीरे ओझल हो गए और इन्हें गरीबों का अनाज कहकर हाशिए पर धकेल दिया गया। लेकिन आज, जब पूरी दुनिया लाइफस्टाइल डिजीज जैसे मधुमेह, हृदय रोग और मोटापे की चपेट में है, तब उत्तर प्रदेश की पावन धरा पर इन पोषक तत्वों का पुनरुद्धार एक नई आशा की किरण बनकर उभरा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने मिलेट्स पुनरुद्धार कार्यक्रम के माध्यम से न केवल प्राचीन परंपराओं को जीवित किया है, बल्कि इसे आधुनिक अर्थव्यवस्था और पोषण सुरक्षा से भी जोड़ दिया है। मोटे अनाज आज भारत की पोषण सुरक्षा, किसान की आय वृद्धि और जलवायु-अनुकूल खेती का मजबूत आधार बनते जा रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 2023 को "अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष" घोषित किए जाने के बाद इनकी महत्ता को वैश्विक स्तर पर स्वीकार किया गया है। इसी पृष्ठभूमि में उत्तर प्रदेश की डबल इंजन सरकार ने मिलेट्स को बढ़ावा देने के लिए जो व्यापक और दूरदर्शी कदम उठाए हैं, उनका एकमात्र उद्देश्य है-हर थाली में श्री अन्न, हर खेत में मिलेट्स और हर किसान के जीवन में समृद्धि आये।

उत्तर प्रदेश सरकार का दृष्टिकोण अत्यंत स्पष्ट है कि जब तक किसान को गुणवत्तापूर्ण बीज, तकनीकी सहायता और बाजार नहीं मिलेगा, तब तक कोई भी कृषि क्रांति सफल नहीं हो सकती। आंकड़ों पर दृष्टि डालें तो सरकार ने इस क्षेत्र में अभूतपूर्व निवेश किया है। वर्ष 2023-24 से 2025-26 के बीच 6.21 लाख बीज मिनीकिट का निःशुल्क वितरण एक क्रांतिकारी कदम है, जो यह सुनिश्चित करता है कि छोटे और सीमांत किसान भी बिना अतिरिक्त लागत के उन्नत बीजों तक पहुंच बना सकें। बीज उत्पादन की कड़ी को मजबूत करने के लिए राज्य के 45 कृषक उत्पादक संगठनों को लगभग 180.00 लाख रुपये की सीडमनी (प्रति कृषक उत्पादन संगठन 4 लाख रुपये) दी जा रही है, ताकि वे भंडारण और विपणन की मजबूत व्यवस्था विकसित कर सकें। इसके अतिरिक्त, तकनीकी सहायता और शोध के लिए 5 कृषि विज्ञान केंद्रों और 5 राज्य कृषि विश्वविद्यालयों को 950 लाख रुपये (प्रति केंद्र 95 लाख रुपये) की प्रोत्साहन धनराशि प्रदान की गई है। उत्पाद को सीधे उपभोक्ता तक पहुँचाने और एक सुव्यवस्थित सप्लाई चेन बनाने के लिए सरकार 23 मोबाइल आउटलेट, 22 मिलेट्स स्टोर और 23 प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना को निरंतर प्रोत्साहन दे रही है। सरकार का मानना है कि जब बुनियादी ढांचा मजबूत होगा, तभी किसान पारंपरिक खेती के मोह से बाहर निकलकर इन लाभप्रद फसलों की ओर आकर्षित होंगे।

मिलेट्स को वैज्ञानिक रूप से 'न्यूट्री-सीरियल्स' कहा जाता है क्योंकि ये पोषक तत्वों का अक्षय भंडार हैं। विविध शोधों से पता चलता है कि मिलेट्स में भरपूर मात्रा में प्रोटीन, फाइबर, कैल्शियम, आयरन, जिंक, मैग्नीशियम और एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं। स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से इनका सबसे बड़ा लाभ मधुमेह का प्रबंधन है, क्योंकि इनका 'ग्लाइसेमिक इंडेक्स' बहुत कम होता है, जिससे रक्त में शुगर का स्तर अचानक नहीं बढ़ता। मिलेट्स स्वाभाविक रूप से ग्लूटेन-मुक्त होते हैं, इसलिए ये पेट के संवेदनशील रोगों और सीलिएक डिजीज के लिए सबसे सुरक्षित भोजन हैं। हृदय स्वास्थ्य के लिए भी इनमें मौजूद संतुलित वसा और एंटीऑक्सीडेंट्स कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित रखने में मदद करते हैं। इन लाभों को देखते हुए सरकार अब स्कूलों के मिड-डे मील और आंगनबाड़ी केंद्रों के आहार में भी श्रीअन्न को प्राथमिकता दे रही है, ताकि बचपन से ही बच्चों की नींव मजबूत हो सके।

जलवायु परिवर्तन के इस कठिन दौर में, मिलेट्स हमारे पर्यावरण के लिए हीलर का काम करते हैं। धान और गेहूं जैसी पारंपरिक फसलों को हज़ारों लीटर पानी की आवश्यकता होती है, जबकि मिलेट्स क्लाइमेट-रेज़िलिएंट फसलें हैं जो वर्षा-आधारित और कम उपजाऊ भूमि में भी आसानी से फलती-फूलती हैं। गिरते भू-जल स्तर को देखते हुए ये फ्यूचर क्रॉप हैं। शोध बताते हैं कि एक किलो चावल उगाने के लिए लगभग 3000 से 5000 लीटर पानी चाहिए, जबकि मिलेट्स इसके दसवें हिस्से में तैयार हो जाते हैं। इनमें प्राकृतिक रोग प्रतिरोधक क्षमता होती है, जिसके कारण कीटनाशकों और रासायनिक खादों का प्रयोग न्यूनतम होता है, जिससे मिट्टी का स्वास्थ्य बना रहता है और उपभोक्ताओं को 'केमिकल-मुक्त' भोजन मिलता है। इनका कार्बन फुटप्रिंट भी अन्य अनाजों की तुलना में बहुत कम है, जो ग्लोबल वार्मिंग जैसी वैश्विक चुनौती से लड़ने में सहायक है। उत्तर प्रदेश सरकार इन विशेषताओं के कारण मिलेट्स को प्राकृतिक खेती और एकीकृत कृषि प्रणाली के साथ जोड़ रही है, ताकि पर्यावरण सुरक्षा के साथ-साथ किसान की आय में भी स्थिरता आए। यह 'क्लाइमेट स्मार्ट एग्रीकल्चर' का सबसे सशक्त उदाहरण है जिसे आज पूरी दुनिया अपनाना चाहती है। मिलेट्स का प्रभाव केवल आर्थिक या शारीरिक नहीं, बल्कि सामाजिक भी है। ग्रामीण क्षेत्रों में इसके माध्यम से महिला सशक्तिकरण प्रोसेसिंग और मार्केटिंग संभालती हैं, तो उनका आत्मविश्वास और सामाजिक स्तर दोनों बढ़ते हैं।

सरकार की विभिन्न पोषण योजनाओं में मिलेट्स का समावेश कुपोषण के खिलाफ छिड़ी जंग का सबसे प्रभावी हथियार साबित हो रहा है। इसके अतिरिक्त, सरकारी बैठकों और आयोजनों में अब विदेशी स्नैक्स के स्थान पर मिलेट्स से बने स्थानीय व्यंजनों का प्रयोग एक सकारात्मक संदेश दे रहा है।

लखनऊ में जबरन स्कॉर्पियो में बैठाया, पत्नी से ₹ 13 लाख मंगवाकर छोड़ा

पुलिस अधिकारी बन कारोबारी को किडनैप करने वाले 6 गिरफ्तार

कार्यवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में पुलिस अधिकारी बनकर एक कारोबारी को किडनैप करने वाले 6 युवक गिरफ्तार किए गए हैं। रविवार को पुलिस ने सभी आरोपियों को पकड़ लिया। कारोबारी को ये लोग पुलिस अधिकारी होने का आईडी कार्ड दिखाकर जबरन स्कॉर्पियो में बैठा ले गए थे। स्कॉर्पियो के अंदर कारोबारी को अलग-अलग तरह से धमकी देने लगे। जब उसने किसी भी तरह से पैसे देने से इन्कार कर दिया तो उसको असलहे दिखाकर पीटा भी। उसकी पत्नी को फोन कराकर कहलवाया कि 15 लाख रुपए भेज दो नहीं तो मार डालेंगे। कारोबारी की पत्नी ने ड्राइवर के जरिये 13 लाख रुपए और कुछ जेवर भेजवाए। किडनैप किए युवकों ने फिरौती की रकम गिनकर कारोबारी को स्कॉर्पियो से उतार दिया और फरार हो गए। मामला 12 सितंबर का है। आलमबाग के कारोबारी सुदर्शन घोष की शिकायत पर पुलिस ने आज 20 सितंबर को सभी 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया है कि आरोपियों के पास पुलिस के आईडी कार्ड मिले हैं। वे इनसे ही लोगों पर धौंस दिखाते थे।

मामले के खुलासे के लिए आठ पुलिस टीमों का गठन किया था। सर्विलांस सेल जोन दक्षिणी को भी जांच में लगाया गया। पुलिस टीमों ने करीब 220 से 240 सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्य, मैनुअल इनपुट और स्थानीय सूचना तंत्र की मदद से आरोपियों की पहचान की। पुलिस ने अनुराग पुत्र धर्मेंद्र, लवी कुमार, दीपांशु कुमार, अनुराग कुमार पुत्र स्व. प्रमोद कुमार, आकाश चौधरी और मनीष कुमार को गिरफ्तार कर लिया।

ऑफिस जाते समय उठा ले गए थे युवक

डीसीपी साउथ मोहम्मद मुश्ताक ने बताया- साकेत अपार्टमेंट राजेंद्रनगर आलमबाग निवासी सुदर्शन घोष ने 13 सितंबर को कृष्णानगर थाने में तहरीर दी थी। उन्होंने बताया कि 12 सितंबर को आलमबाग ऑफिस जाते समय कुछ लोगों ने खुद को पुलिस अधिकारी बताते हुए उन्हें जबरन गाड़ी में बैठा लिया था। वह आलमबाग में एंटीक चीजों की बड़ी शॉप चलाते हैं। उन्हें जान से मारने तक की धमकी देकर फिरौती मांगी गई। कारोबारी ने पत्नी को फोन किया और सारी दास्तान बताई। पत्नी ने उनके एक ड्राइवर के जरिये 13 लाख रुपए और कुछ जेवर भेज दिए। आरोपियों की बताई लोकेशन 10 किमी दूर शहीद पथ पर ड्राइवर पहुंचा और उसने पूरा पैसा और जेवर दे दिए। इसके बाद उन्होंने अगले दिन थाने में लिखित शिकायत दी।

गिरोह के पास और भी कई गाड़ियां हैं

पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि स्कॉर्पियो उनकी इकलौती गाड़ी नहीं है। गिरोह में और भी गाड़ियां हैं। गाड़ियों पर वे फर्जी नंबर प्लेट लगाते थे, ताकि पुलिस उनकी पहचान न कर सके। वारदात के बाद सभी आरोपी अलग-अलग राज्यों में चले गए थे। लखनऊ में मिली नकदी और जेवर आपस में बांट चुके थे। पुलिस के अनुसार, आरोपी अगली वारदात को अंजाम देने के लिए दोबारा लखनऊ आए थे। इसी दौरान पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। मामले में अन्य आरोपियों की भूमिका और फिरौती में मिले जेवर और नकदी की बरामदगी के संबंध में पुलिस की कार्रवाई जारी है।

एक युवक कारोबारी का करीबी, उसी ने इशारा किया

पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि वे गिरोह के रूप में लूट करते हैं। गिरोह में अलग-अलग राज्यों के लोग शामिल हैं। गिरोह ऐसे लोगों की तलाश करता था, जिनके पास काफी पैसा हो। इसके बाद उनकी रेकी कर वारदात को अंजाम दिया जाता था। पुलिस के अनुसार, लखनऊ के कारोबारी को लूटने वालों में एक युवक लखनऊ का ही है।

दहेज हत्या के मामले में पति हुआ गिरफ्तार, निगोहां पुलिस ने दबोचा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। निगोहां पुलिस ने दहेज हत्या के मामले में वांछित आरोपी पति को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी के खिलाफ 19 वर्षीय विवाहिता को दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित करने और आत्महत्या के लिए मजबूर करने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस के अनुसार रायबरेली के हरचंदपुर थाना क्षेत्र के खिजिरपुर करौंदी निवासी कमला देवी ने 18 सितंबर को निगोहां थाने में तहरीर दी थी। इसमें आरोप लगाया गया था कि उनकी 19 वर्षीय बेटी को ससुराल में दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित किया जा रहा था। प्रताड़ना से आहत होकर बेटी ने आत्महत्या कर ली। तहरीर के आधार पर निगोहां थाने में मुकदमा संख्या 129/2026 के तहत बीएनएस की धारा 85, 80(2) और दहेज प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3/4 में मुकदमा दर्ज किया गया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए

पुलिस उपायुक्त दक्षिणी के निर्देशन में आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों, मैनुअल प्रयास और स्थानीय सूचना तंत्र की मदद से आरोपी पति करन कोरी को 20 सितंबर को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान करन कोरी (24) पुत्र राज कुमार, निवासी ग्राम रतनापुर, थाना निगोहां, लखनऊ के रूप में हुई है।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आवश्यक वैधानिक कार्रवाई पूरी कर उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक मोहित सैनी, उपनिरीक्षक ओम प्रकाश पांडेय और कांस्टेबल दिनेश सरोज शामिल रहे।

फास्ट न्यूज

गोमती में उफान, बहा पीपा पुल,15 गांवों का संपर्क कटा

लखनऊ। लखनऊ में गोमती नदी उफान पर है। तेज बहाव और जलकुंभी के दबाव से मेहंदी घाट का पीपा पुल अपनी जगह से बह गया। इससे फैजुल्लागंज, चैला, दाउदनगर, इमामबाग, डुगरिया, अल्लूनगर और गाजीपुर समेत 15 से ज्यादा गांवों का संपर्क प्रभावित हो गया है।

करीब 1 लाख की आबादी को अस्पताल और स्कूल जाने में परेशानी हो रही है। पहले गांवों से KGMU की दूरी महज 2-3 किमी थी।

विमान में यात्री की तबीयत बिगड़ी, लखनऊ में इमरजेंसी लैंडिंग

लखनऊ। बैंकॉक से दिल्ली जा रही इंडिगो एयरलाइंस की एक फ्लाइट की लखनऊ एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। फ्लाइट में सवार एक यात्री की अचानक तबीयत खराब हो गई थी, जिसके बाद यह फैसला लिया गया। एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक, इंडिगो की फ्लाइट 6ई-1054 बैंकॉक से रात करीब 8:15 बजे उड़कर रात 11:10 बजे दिल्ली पहुंचती है।

शनिवार रात यह फ्लाइट अपने तय समय पर बैंकॉक से दिल्ली के लिए रवाना हुई थी।

रास्ते में अचानक एक यात्री की तबीयत बिगड़ गई। क्रू मेंबर ने तुरंत इसकी जानकारी पायलट को दी।

उच्च शिक्षा को बदलती दुनिया के लिए तैयार करना होगा

लखनऊ। उच्च शिक्षा संस्थानों को इनोवेशन अपनाने, आपसी सहयोग बढ़ाने और छात्रों को तेजी से बदलती दुनिया के लिए तैयार करने पर ध्यान देना होगा। यह बात बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर यूनिवर्सिटी (BBAU) के कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने कही। 'शेपिंग द नेक्स्ट डिकेड' थीम पर आयोजित सम्मेलन में लखनऊ के 20 कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

यूपी एटीएस ने 30 लाख के इनामी नक्सली कमांडर बृजेश गंझू को एनकाउंटर में किया ढेर

झारखंड सरकार ने 25 लाख और एनआईए ने 5 लाख का इनाम बृजेश गंझू पर किया था घोषित

- योगी सरकार की सख्त कानून-व्यवस्था के चलते लंबे समय से फरार नक्सली पर वाराणसी में बड़ी कार्रवाई
- यूपी एटीएस डिप्टी एसपी, हेड कांस्टेबल पर चलाई थी गोली, जवाबी कार्रवाई में गंभीर रूप से घायल हुआ था नक्सली

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ/वाराणसी। उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था को लेकर योगी सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के बीच यूपी एटीएस ने वाराणसी में बड़ी कार्रवाई अंजाम दी है। यहां एटीएस ने झारखंड के प्रतिबंधित नक्सली संगठन तृतीय प्रस्तुति कमेटी (टीपीसी) के कमांडर बृजेश गंझू उर्फ गोपाल सिंह भोक्ता को मुठभेड़ में ढेर कर दिया। बृजेश पर झारखंड सरकार और एनआईए ने 30 लाख रुपये का इनाम घोषित था। 20 सितंबर की भोर में बृजेश गंझू अपने एक साथी के साथ मोटर-साइकिल से टेंगरा मोड़ से रामनगर होते हुए मुगलसराय की ओर जा रहा था। सूचना मिलने पर यूपी एसटीएस की टीम ने उसे वाराणसी के रामनगर थाना क्षेत्र स्थित लंका मैदान के पास रोकने की कोशिश की। गिरफ्तारी से बचने के लिए बृजेश मोटरसाइकिल से कूद गया और पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। फायरिंग में यूपी एटीएस के डिप्टी एसपी विपिन राय और हेड कांस्टेबल नितेंद्र कृष्ण को भी गोली लगी, हालांकि बुलेटप्रूफ जैकेट की वजह से उनकी जान बच गई। वहीं क्रॉस फायरिंग में गोली लगने से बृजेश गंझू गंभीर रूप से घायल हो गया और उसे नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बृजेश गंझू उर्फ गोपाल सिंह भोक्ता, झारखंड के चतरा जिले के लवलंग थाना क्षेत्र के लूटू का रहने वाला था। बृजेश प्रतिबंधित नक्सली संगठन तृतीय प्रस्तुति कमेटी का कमांडर था, जिसकी तलाश लंबे समय से की जा रही थी। इस पर झारखंड सरकार ने 25 लाख रुपये और एनआईए ने पांच लाख रुपये का इनाम घोषित किया था।

युवाओं ने लगाई सेहत और नशामुक्ति की दौड़

सूरतगंज (बाराबंकी)। रविवार को स्थानीय युवाओं में खेल भावना, स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और नशामुक्त समाज का संदेश देने के उद्देश्य से चंद्र सिहाली में भव्य मैराथन दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में स्थानीय युवाओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। सुबह से ही आयोजन स्थल पर युवाओं और ग्रामीणों की भीड़ जुटने लगी थी। प्रतिभागियों में दौड़ को लेकर खासा उत्साह नजर आया।

मैराथन प्रतियोगिता का आयोजन प्रशासक प्रतिनिधि राम विलास यादव, गिरजा शंकर एवं समस्त ग्रामवासियों के संयुक्त सहयोग से किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं पूर्व ब्लॉक प्रमुख बृजपाल सिंह (ज्ञानू) ने हरी झंडी दिखाकर मैराथन दौड़ का शुभारंभ किया। हरी झंडी मिलते ही प्रतिभागी पूरे उत्साह के साथ निर्धारित मार्ग पर दौड़ पड़े। युवाओं का उत्साह बढ़ाने के लिए ग्रामीण भी मार्ग के किनारे मौजूद रहे और प्रतिभागियों का हौसला बढ़ाते नजर आए।

लखनऊ में 3 दिन बैंकिंग सेवाएं रहेंगी प्रभावित

28 से 30 सितंबर तक रहेगी हड़ताल, एसबीआई ने ग्राहकों को किया अलर्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। राजधानी लखनऊ सहित देशभर में 28 से 30 सितंबर 2026 तक बैंक सेवाएं प्रभावित रह सकती हैं। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (UFBU) ने इस अवधि में तीन दिन की देशव्यापी हड़ताल का आह्वान किया है।

इसे लेकर भारतीय स्टेट बैंक (SBI) ने ग्राहकों के लिए जरूरी सूचना जारी कर पहले से तैयारी रखने की सलाह दी है। बैंक प्रशासन ने कहा है कि हड़ताल के दौरान आवश्यक सेवाएं सुचारू रखने का प्रयास किया जाएगा। फिर भी ग्राहकों को असुविधा से बचने के लिए समय रहते अपने जरूरी काम निपटा लेने चाहिए।

रविवार को बैंक कर्मचारियों की ओर से सोशल मीडिया पर अभियान चलाया जा रहा है। 22 सितंबर को बैंक कर्मचारियों की ओर से लखनऊ में धरना दिया जाएगा। 25 सितंबर को धरना-प्रदर्शन और रैली का आयोजन किया जाना है।

इससे बैंकिंग सेवाओं पर असर पड़ सकता है।

लोगों को जरूरी लेनदेन पहले ही निपटाने की सलाह दी गई है। चेक क्लीयरेंस, ड्राफ्ट और अन्य जरूरी बैंकिंग कार्य 28 सितंबर से पहले ही पूरे कर लें। नकदी की जरूरत पूरी करने के लिए नजदीकी एटीएम (ATM) या ऑटोमेटेड डिपॉजिट कम विड्रॉल मशीन (ADWM) का उपयोग करें।

बैंकिंग सेवाओं के लिए नजदीकी ग्राहक सेवा केंद्रों की मदद ली जा सकती है। बैंक शाखाओं पर निर्भरता कम करने के लिए इंटरनेट बैंकिंग, योनो (YONO) ऐप, मोबाइल बैंकिंग, UPI और अन्य डिजिटल माध्यमों का उपयोग करें।

बैंक ने हड़ताल के कारण होने वाली संभावित असुविधा के लिए खेद व्यक्त करते हुए ग्राहकों से सहयोग की अपील की है।

उत्तर प्रदेश के 75 जनपदों में सुचारू रूप से संपन्न हुई उल्लास-नव भारत साक्षरता कार्यक्रम की साक्षरता परीक्षा

प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों, कारागारों एवं बाल सुधार गृहों में लगभग 5.10 लाख शिक्षार्थियों ने किया प्रतिभाग

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उल्लास-नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत रविवार को प्रदेश के सभी 75 जनपदों में मूलभूत साक्षरता परीक्षा का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। परीक्षा में प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों, कारागारों एवं बाल सुधार गृहों में लगभग 5.10 लाख 15 वर्ष एवं उससे अधिक आयु वर्ग के शिक्षार्थियों ने प्रतिभाग किया। परीक्षा के माध्यम से शिक्षार्थियों में विकसित मूलभूत पढ़ने-लिखने तथा संख्यात्मक ज्ञान का आकलन किया गया।प्रदेश में संचालित उल्लास-नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित इस साक्षरता परीक्षा के सुचारू संचालन, निरीक्षण एवं निगरानी के लिए व्यापक व्यवस्थाएं की गई थीं। भारत सरकार की टीम द्वारा जनपद चन्दौली एवं जौनपुर में उपस्थित रहकर परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया गया तथा परीक्षा संचालन की व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। प्रदेश स्तर पर साक्षरता

- भारत सरकार की टीम ने चन्दौली एवं जौनपुर में परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण
- शिक्षा निदेशक बेसिक अनिल भूषण चतुर्वेदी ने लखनऊ में परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण

शिक्षा निदेशक बेसिक एवं साक्षरता एवं वैकल्पिक शिक्षा अनिल भूषण चतुर्वेदी ने जनपद लखनऊ, उप निदेशक, साक्षरता एवं वैकल्पिक शिक्षा नीलम ने जनपद प्रतापगढ़ तथा सहायक निदेशक प्रतिमा मिश्रा ने जनपद सोनभद्र में साक्षरता परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया।

23 सितंबर से यूपीपीसीएस-2025 की मुख्य परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों का मॉक इंटरव्यू

आईएएस-पीसीएस अधिकारियों और विषय विशेषज्ञों से मिलेगा इंटरव्यू की तैयारी का मार्गदर्शन

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (UPPSC) की UPPCS-2025 मुख्य परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को आगामी साक्षात्कार के लिए बेहतर ढंग से तैयार करने के उद्देश्य से समाज कल्याण मंत्रालय की ओर से 23 सितंबर से विशेष मॉक इंटरव्यू कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम कई चरणों में संचालित होगा। इसके माध्यम से अभ्यर्थियों को साक्षात्कार की बारीकियों, व्यक्तित्व प्रस्तुतीकरण और आत्मविश्वास के साथ प्रश्नों का उत्तर देने का अभ्यास कराया जाएगा। मॉक इंटरव्यू का आयोजन गोमती नगर स्थित छत्रपति शाहू जी महाराज शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान, भागीदारी भवन में किया जाएगा। समाज कल्याण विभाग के उप निदेशक श्री आनंद कुमार सिंह ने बताया कि समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित छत्रपति शाहू जी

महाराज शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान, भागीदारी भवन, लखनऊ और प्रदेश के अन्य परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केंद्रों से प्रशिक्षण लेने वाले अभ्यर्थी, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के अभ्यर्थी तथा UPPCS-2025 की मुख्य परीक्षा में सफल किसी भी वर्ग के इच्छुक अभ्यर्थी इस निःशुल्क मॉक इंटरव्यू में शामिल हो सकेंगे। उन्होंने बताया कि मॉक इंटरव्यू में उत्तर प्रदेश प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी (उपाम) से जुड़े IAS-PCS अधिकारी और विषय विशेषज्ञ अभ्यर्थियों का मार्गदर्शन करेंगे। उन्हें साक्षात्कार की तैयारी की रणनीति, सवालों के प्रभावी जवाब देने, व्यक्तित्व प्रस्तुतीकरण, संचार कौशल और आत्मविश्वास बनाए रखने से जुड़े महत्वपूर्ण सुझाव दिए जाएंगे। इससे अभ्यर्थियों को अपनी कमियों को पहचानने और उनमें सुधार करने का अवसर मिलेगा। गौरतलब है कि समाज कल्याण मंत्रालय की ओर से प्रदेशभर में 8 आवासीय कोचिंग केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। यहां अभ्यर्थियों को निःशुल्क आवासीय प्रशिक्षण के साथ मेस, पुस्तकालय, इंटरनेट, टेस्ट सीरीज, अध्ययन सामग्री, मनोरंजन, खेलकूद और जिम जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं।

पत्रकारिता लोकतंत्र की मजबूत कड़ी, तथ्यपरक खबरों पर जोर : केशव मौर्य

आईएफजे के 132वें राष्ट्रीय परिषद सत्र को वर्चुअल माध्यम से किया संबोधित

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ/बिहार। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने रविवार को बिहार के बोधगया में आयोजित इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट (आईएफडब्ल्यूजे) के 132वें राष्ट्रीय परिषद सत्र को वर्चुअल माध्यम से संबोधित किया। उन्होंने देशभर से आए पत्रकारों और पत्रकारिता जगत से जुड़े प्रतिनिधियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि लोकतंत्र में पत्रकारिता की भूमिका महत्वपूर्ण है। उनके मुताबिक पत्रकार समाज के अलग-अलग वर्गों की आवाज को सामने लाने के साथ जनसमस्याओं, जनभावनाओं और जनहित से जुड़े मुद्दों को शासन और व्यवस्था तक पहुंचाने का काम करते हैं। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि पत्रकारिता केवल समाचारों के संप्रेषण का माध्यम नहीं है, बल्कि समाज को जागरूक करने और जनहित के विषयों को व्यापक मंच देने का भी जरिया है। पत्रकार अपनी

लेखनी और संवाद के माध्यम से समाज में होने वाली घटनाओं, उपलब्धियों, चुनौतियों और जनसरोकारों को सामने लाते हैं। उन्होंने कहा कि पत्रकारों की स्वतंत्र, तथ्यपरक, जिम्मेदार और जनोन्मुख पत्रकारिता लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने में योगदान देती है।

उप मुख्यमंत्री ने आईएफडब्ल्यूजे के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. के. विक्रम राव का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि डॉ. विक्रम राव पत्रकारों की बुलंद आवाज थे। मौर्य के अनुसार भारतीय पुलिस सेवा में चयन होने के बावजूद उन्होंने अधिकारी की कुर्सी के बजाय पत्रकारिता को चुना।

पैकिंग तिथि को विनिर्माण तिथि के रूप में अंकित करने की प्रवृत्ति पर रोक

पैक्ड खाद्य पदार्थों पर अब वास्तविक विनिर्माण तिथि अंकित करना अनिवार्य

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और उपभोक्ताओं को सही एवं पारदर्शी जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने पैक्ड खाद्य उत्पादों के संबंध में महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। इसके मुताबिक, अब उत्तर प्रदेश की भौगोलिक सीमाओं के अंतर्गत पैक किए जाने वाले खाद्य उत्पादों के पैकेज पर वास्तविक विनिर्माण तिथि अंकित किया जाना अनिवार्य होगा। पैकिंग की तिथि को विनिर्माण तिथि के स्थान पर अंकित नहीं किया जा सकेगा। आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा लिया गया यह निर्णय खाद्य विनिर्माण इकाइयों के हाल में किए गए विशेष

निरीक्षणों के दौरान सामने आए तथ्यों के बाद लिया गया है। निरीक्षणों में पाया गया कि कुछ विनिर्माताओं द्वारा खाद्य पदार्थ का उत्पादन करने के बाद उसे लंबे समय तक भण्डारित किया जा रहा था। इसके बाद जब उसी खाद्य पदार्थ को छोटे पैकेटों में पैक किया जाता है तो पैकेज पर वास्तविक उत्पादन तिथि अंकित करने के स्थान पर जिस दिन उसकी पैकिंग की जाती है, वही तिथि अंकित कर दी जाती है। इसी प्रकार कुछ मामलों में रीलेबलर और रीपैकर द्वारा भी केवल पैकिंग तिथि अंकित की जा रही थी। ऐसी स्थिति में उपभोक्ता को यह जानकारी नहीं मिल पाती कि संबंधित खाद्य पदार्थ वास्तव में कब निर्मित या प्रसंस्कृत हुआ था। इससे उत्पाद के वास्तविक भण्डारण काल और उसकी गुणवत्ता के संबंध में उपभोक्ता के सामने भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। खाद्य पदार्थ की एक निर्धारित उपयोग अवधि यानी शेल्फ लाइफ होती है। यह अवधि खाद्य पदार्थ के वास्तविक विनिर्माण या प्रसंस्करण की तिथि से शुरू होती है। समय बीतने के साथ खाद्य पदार्थ की गुणवत्ता में कमी आ सकती है। ऐसे में यदि पुराने उत्पाद को कई महीनों बाद छोटे पैकेटों में पैक करके उस दिन की पैकिंग तिथि को ही प्रमुख तिथि के रूप में प्रदर्शित किया जाता है, तो उपभोक्ता को उत्पाद अपेक्षाकृत नया होने का आभास हो सकता है। विशेष रूप से तब स्थिति और गंभीर हो सकती है जब ऐसे खाद्य उत्पादों का उपयोग बाद में किसी अन्य खाद्य पदार्थ में अवयव के रूप में किया जाता है।

उपभोक्ता हित और जन स्वास्थ्य को ध्यान में रखकर निर्णय

आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 में निहित उपभोक्ता हित, जन स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा संबंधी प्रावधानों को ध्यान में रखते हुए यह व्यवस्था लागू की है। इसका उद्देश्य खाद्य उत्पादों की ट्रेसबिलिटी, पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित करना तथा उपभोक्ताओं को उत्पाद के वास्तविक निर्माण की जानकारी उपलब्ध कराना है।

निर्देश के अनुसार अब खाद्य कारोबारियों को पैकेज पर खाद्य पदार्थ की वास्तविक विनिर्माण तिथि स्पष्ट रूप से अंकित करनी होगी। केवल बाद में की गई पैकिंग की तिथि को विनिर्माण तिथि के रूप में प्रदर्शित करने की प्रवृत्ति को स्वीकार नहीं किया जाएगा। खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा इस व्यवस्था के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए निरीक्षण एवं प्रवर्तन कार्रवाई के दौरान पैकेजिंग और लेबल पर अंकित तिथियों की भी जांच की जाएगी। इस कदम से उपभोक्ताओं को खाद्य उत्पाद की वास्तविक आयु और उपयोग अवधि की सही जानकारी मिल सकेगी तथा खाद्य श्रृंखला में पुराने अथवा गुणवत्ता प्रभावित उत्पादों के इस्तेमाल की संभावना को कम करने में मदद मिलेगी।

पोषाहार वितरण में गड़बड़ी के आरोप, राशन पहुंचने से पहले ही अभिलेखों में दर्ज हुआ वितरण

मोबाइल पर संदेश पहुंचने के बाद खुला मामला

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। फतेहपुर ब्लॉक क्षेत्र की नगर पंचायत बेलहरा के सौरंगा स्थित आंगनबाड़ी केंद्र पर सरकारी पोषाहार वितरण व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। ग्रामीणों ने आंगनबाड़ी कार्यकत्री आशा वर्मा पर बच्चों, किशोरियों और गर्भवती महिलाओं के लिए निर्धारित पोषाहार के वितरण में अनियमितता बरतने का आरोप लगाया है। ग्रामीणों का कहना है कि कई लाभार्थियों को नियमित रूप से पोषाहार नहीं मिल रहा है, जबकि अभिलेखों में वितरण दर्ज किए जाने की बात सामने आ रही है। ग्रामीणों के मुताबिक पिछले करीब पांच माह से केंद्र पर पोषाहार वितरण की स्थिति संतोषजनक नहीं है। आरोप है कि कई पात्र लाभार्थियों को निर्धारित पोषाहार नहीं मिला, लेकिन कागजी अभिलेखों में वितरण दर्शा दिया गया। हाल ही में एक ऐसा मामला सामने आया, जिसमें केंद्र पर राशन पहुंचने से पहले ही लाभार्थियों के मोबाइल फोन पर पोषाहार वितरण का संदेश पहुंच गया। मोबाइल पर संदेश मिलने के बाद कुछ लाभार्थी केंद्र पहुंचे और आंगनबाड़ी कार्यकत्री से मामले की जानकारी की। ग्रामीणों के अनुसार, कार्यकत्री ने बताया कि सुपरवाइजर के निर्देश पर वितरण दर्ज किया गया है। साथ ही कहा गया कि करीब एक सप्ताह के भीतर राशन केंद्र पर पहुंचने के बाद लाभार्थियों को वितरित कर दिया जाएगा। ग्रामीणों का आरोप है कि बच्चों के लिए निर्धारित दलिया, तेल और दाल समेत गर्भवती महिलाओं के लिए मिलने वाला पोषाहार भी नियमित रूप से वितरित नहीं किया जा रहा है। उनका कहना है कि शिकायत करने पर उन्हें स्पष्ट जानकारी देने के बजाय टाल दिया जाता है। इससे योजना के वास्तविक लाभार्थियों को सरकारी पोषण योजना का पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा है। ग्रामीणों ने सवाल उठाया कि यदि पोषाहार केंद्र पर पहुंचने से पहले ही अभिलेखों में वितरण दर्ज कर दिया गया, तो वास्तविक वितरण और कागजी वितरण में अंतर की जांच कौन करेगा? ग्रामीणों ने केंद्र के अभिलेखों और वास्तविक लाभार्थियों के बयानों का मिलान कराकर पूरे मामले की जांच कराने की मांग की है।

आगरा में यमुना एक्सप्रेस-वे जाम किया, पुलिस से झड़प, रोकने के लिए बुलडोजर लगाए

यूजीसी के विरोध में 200 ट्रैक्टर लेकर उतरे प्रदर्शनकारी

विरोध

तमसा संकेत, एजेंसी

- कलेक्ट्रेट की तरफ जा रहे लोगों को रोकने के लिए पुलिस के जवान उनके पीछे दौड़ पड़े।
- पुलिस की रोक के बावजूद प्रदर्शनकारी यमुना एक्सप्रेस-वे पर पहुंचे और जाम लगा दिया।
- प्रदर्शनकारियों के जाम लगाने के बाद यमुना एक्सप्रेस-वे पर गाड़ियों की लाइन लग गई।

आगरा। आगरा में रविवार को UGC के विरोध में सवर्ण समाज के करीब 1500 युवक 200 ट्रैक्टरों के साथ सड़क पर उतर आए। उन्होंने आगरा-नोएडा यमुना एक्सप्रेस-वे पर जाम लगा दिया। युवक कलेक्ट्रेट का घेराव करने जा रहे थे। लेकिन, पुलिस और PAC ने बुलडोजर, जेसीबी और क्रेन लगाकर रास्ता ब्लॉक कर रोक दिया। इसके बावजूद युवक कलेक्ट्रेट जाने पर अड़े रहे। इसको लेकर प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच तीखी नोकझोंक हुई। दोपहर 12 बजे प्रदर्शनकारी बुलडोजर पर चढ़कर आगे दौड़ने लगे। इसके बाद 300 मीटर दूर यमुना एक्सप्रेस-वे के पास पुलिस ने बैरिकेडिंग लगाकर प्रदर्शनकारियों को रोक दिया।इस दौरान कुछ प्रदर्शनकारी एक्सप्रेस-वे पर चढ़ गए और बीचोबीच खड़े होकर गाड़ियों को रोक दिया।

आगरा में यूजीसी के विरोध में 20 दिन में 3 बड़े प्रदर्शन

1 सितंबर- क्षत्रिय सभा के बैनर तले बाइक रैली लेकर एत्मादपुर तहसील पहुंचे लोगों ने हाईवे जाम कर दिया था। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर लाठीचार्ज का आरोप लगाते हुए धरना दिया था। हंगामे और प्रदर्शन के बाद दरोगा को सस्पेंड कर दिया गया था।

18 सितंबर- सवर्ण समाज और सिस्टम सुधार संगठन की ओर से एत्मादपुर से कलेक्ट्रेट तक ट्रैक्टर मार्च निकाला गया था। पुलिस ने सुबह से ही गांवों में नाकेबंदी कर दी थी। इसके बाद भी सैकड़ों लोग आगरा-कानपुर हाईवे तक आ गए थे। 5 घंटे की गहमागहमी के बाद पुलिस-प्रशासन ने डिप्टी सीएम से बात कराई थी। मांगों को केंद्रीय मंत्री पहुंचाने का आश्वासन दिया गया था।

20 सितंबर- यूजीसी मुक्ति मोर्चा की ओर से आगरा जिले के मुड़ी चौराहा से प्रदर्शन शुरू हुआ। यहां से आगरा कलेक्ट्रेट की दूरी करीब 30 किमी है। रास्ते में 3 किमी की दूरी पर नादऊ चौराहा पर पुलिस ने जेसीबी और हाइड्रा लगाकर रास्ता बंद कर दिया था।

भीड़ उस घेरे को तोड़कर अलग-अलग रास्ते से आगे बढ़ी और 300 मीटर की दूरी पर यमुना एक्सप्रेस-वे तक पहुंच गई।

सड़क किनारे जानलेवा गड्ढे, हादसों का बढ़ा खतरा

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। बीते दिनों हुई बारिश के बाद सूरतगंज से झंझरा की ओर जाने वाला मार्ग राहगीरों के लिए मुसीबत बन गया है। मार्ग के दोनों किनारों पर जगह-जगह गहरे गड्ढे हो जाने से आए दिन दोपहिया वाहन चालक और पैदल राहगीर हादसे का शिकार हो रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि कई बार शिकायत और समस्या की जानकारी जिम्मेदारों तक पहुंचने के बावजूद पीडब्ल्यूडी विभाग की ओर से अब तक गड्ढों की मरम्मत कराने की पहल नहीं की गई है। बारिश के पानी के कारण सड़क के किनारे की सड़क कटने से कई स्थानों पर सड़क और पटरी के बीच गहरी खाई जैसी स्थिति बन गई है। दिन के समय तो वाहन चालक किसी तरह इन गड्ढों से बचकर निकल जाते हैं, लेकिन रात के समय स्थिति और अधिक खतरनाक हो जाती है। अंधेरे में सड़क के किनारे बने गड्ढे दिखाई नहीं देने से दोपहिया वाहन चालकों के उनमें गिरने का खतरा लगातार बना रहता है। समस्या केवल गड्ढों तक सीमित नहीं है। मार्ग के दोनों ओर उगी झाड़ियां सड़क की ओर फैल आई हैं, जिससे सड़क की चौड़ाई भी कई स्थानों पर कम हो गई है। सामने से बड़े वाहन आने पर दोपहिया और छोटे वाहन चालकों को किनारे होने में परेशानी होती है। ऐसे में गड्ढों और झाड़ियों के बीच वाहन निकालना किसी जोखिम से कम नहीं है। कई बार वाहन चालक बचने के प्रयास में अचानक सड़क के बीच की ओर पहुंच जाते हैं।

फास्ट न्यूज

अर्धकुंभ को लेकर तैयारियों में जुटा रेलवे

मुरादाबाद। आगामी अर्धकुंभ-2027 के मद्देनजर रेलवे ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। श्रद्धालुओं और यात्रियों की सुरक्षा, सुविधा और बेहतर भीड़ प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए उत्तर रेलवे, मुरादाबाद मंडल की मंडल रेल प्रबंधक (DRM) विनीता श्रीवास्तव ने हरिद्वार रेलवे स्टेशन का सघन निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अर्धकुंभ के दौरान उमड़ने वाली भारी भीड़ के सुगम आवागमन के लिए सभी पुख्ता इंतजाम समय से पूरे किए जाएं।

मुरादाबाद में ट्रिपल तलाक में पहली सजा

मुरादाबाद। ट्रिपल तलाक को लेकर 2019 में बनाए गए कानून के तहत मुरादाबाद में पहली सजा हुई है। एडीजे-प्रथम अनिल कुमार की अदालत ने पीड़ित महिला के पति को 5 साल कैद और 36 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। मामला 2021 का है। पाकबड़ा थाना क्षेत्र में रहने वाली महिला ने 7 जुलाई 2021 को भोजपुर थाने में इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पीड़िता ने तब कहा था कि उसकी शादी करीब 7 साल पहले भोजपुर थाना क्षेत्र के गांव मकसूदपुर निवासी वाजिद के साथ हुई थी। संतान नहीं होने पर पति दूसरी शादी करना चाहता था।

कानपुर नगर निगम में फर्मों के रजिस्ट्रेशन में मिली गड़बड़ी

कानपुर। कानपुर नगर निगम में फर्मों के पंजीकरण और नवीनीकरण की प्रक्रिया पर चल रही दस्तावेजों की जांच को लेकर बड़ी गड़बड़ियां सामने आई हैं। सीडीओ अभिनव जे जैन की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय कमेटी ने नगर निगम से उपलब्ध कराई गईं 20 पंजीकरण फाइलों में से 8 की रैंडम जांच की। इनमें कई फाइलों में योग्यता से जुड़े प्रमाणपत्र और जरूरी एनओसी तक नहीं मिले।

गांव की चौपाल पर श्री कृष्ण जन्मभूमि की मुक्ति को भरी हुंकार, गांव गांव पारित होंगे प्रस्ताव

नगरी की चौपाल पर में मंदिर निर्माण के समर्थन में कई गांवों की पंचायत का प्रस्ताव पारित

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह प्रकरण को लेकर अब गांव-गांव से प्रस्ताव जुटाने की पहल शुरू करने का आह्वान किया गया है। रविवार को नगरी गांव की चौपाल पर श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्यास के आह्वान पर हुई पंचायत में मूल गर्भगृह स्थल पर भगवान श्रीकृष्ण के भव्य मंदिर निर्माण के समर्थन में प्रस्ताव पारित किया गया। पंचायत में आसपास के गांवों से पहुंचे ग्रामीणों ने भी अपने-अपने गांव में प्रस्ताव पारित कर न्यास को भेजने की बात कही। पंचायत में श्री कृष्ण जन्मभूमि शाही ईदगाह मस्जिद केस के हिंदू पक्षकार महेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट ने कहा कि श्रीकृष्ण जन्मभूमि की लड़ाई किसी नई अथवा वैकल्पिक भूमि की मांग को लेकर नहीं है। उनका कहना है कि हिंदू पक्ष की मांग भगवान श्रीकृष्ण के मूल गर्भगृह स्थल को लेकर है और उसी स्थान पर भव्य मंदिर निर्माण का प्रयास किया जा रहा है।

उन्होंने चौपाल में ग्रामीणों से पूछा कि कितने लोग श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर के दर्शन कर चुके हैं। बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने हाथ उठाकर जवाब दिया। इसके बाद उन्होंने मंदिर के समीप स्थित मस्जिद को देखने के संबंध में भी सवाल किया।

महेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि ऐतिहासिक साक्ष्यों और दस्तावेजों के आधार पर मूल गर्भगृह स्थल को लेकर न्यायालय में कानूनी लड़ाई चल रही है। उन्होंने बताया कि इस प्रकरण में न्यायिक प्रक्रिया जारी है और समझौते के प्रयास भी आगे नहीं बढ़ सके हैं। उन्होंने ग्रामीणों से आह्वान किया कि गांव-गांव में पंचायत कर श्रीकृष्ण जन्मभूमि के मूल गर्भगृह स्थल पर मंदिर निर्माण के समर्थन में प्रस्ताव पारित किए जाएं और इन प्रस्तावों को श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्यास को भेजा जाए। महेंद्र प्रताप सिंह ने पंचायत में मौजूद लोगों से पूछा कि भगवान श्रीकृष्ण के मूल गर्भगृह स्थल पर भव्य मंदिर का निर्माण होना चाहिए या नहीं। इस पर श्रद्धालुओं ने दोनों हाथ उठाकर अपनी सहमति जताई। इसके बाद चौपाल तालियों से गूंज उठी। उन्होंने कहा कि जन्मभूमि के विषय में ऐतिहासिक सामग्री और दस्तावेजों के आधार पर न्यायालय में पक्ष रखा जा रहा है। उन्होंने ग्रामीणों से इस अभियान को गांव-गांव तक पहुंचाने का आह्वान किया।

युवाओं में दिखे इंसानियत, ईमानदारी और इंसाफ, तभी मजबूत होगा समाज

धर्म बांटने नहीं, जोड़ने का जरिया बने : मुफ्ती इब्राहिम

तमसा संकेत, एजेंसी

अलीगढ़। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत के धर्म को जीवन, कर्तव्य और आचरण से जोड़ने वाले बयान पर उत्तर प्रदेश के मुफ्ती चौधरी इफराहीम हुसैन ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। रविवार को मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि धर्म को केवल बुजुर्गों या धार्मिक आयोजनों तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए, बल्कि उसका असर युवाओं के व्यवहार और रोजमर्रा की जिंदगी में भी दिखाई देना चाहिए। भागवत ने 18 सितंबर को उज्जैन में आयोजित युवा धर्म संसद में धर्म को केवल पूजा-पद्धति तक सीमित न मानकर जीवन के आचरण और कर्तव्यों से जोड़ने की बात कही थी। उन्होंने कहा कि धर्म के नाम पर किसी दूसरे इंसान को नुकसान पहुंचाना उसके मूल उद्देश्य के विपरीत है। युवाओं को अपने-अपने धर्म की अच्छी शिक्षाओं को समझकर उन्हें व्यवहार में उतारने की जरूरत है। मुफ्ती इफराहीम हुसैन ने कहा कि आज युवाओं के बीच अलग-अलग मुद्दों को लेकर मतभेद और दूरियां देखने को मिलती हैं।

इस्लाम भी इंसानी हमदर्दी और भलाई की सीख देता है

मुफ्ती ने कहा कि इस्लाम इंसानी हमदर्दी, देशभक्ति और एक-दूसरे के लिए लाभकारी काम करने की शिक्षा देता है। उनके मुताबिक धर्म का संदेश तभी सार्थक है, जब वह व्यक्ति के व्यवहार में दिखाई दे और उसके माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव आए।

> मुफ्ती इफराहीम हुसैन ने कहा कि उनका भी मानना है कि धर्म का मूल उद्देश्य इंसान को बेहतर इंसान बनाना है। व्यक्ति के ऐसे कार्य और व्यवहार होने चाहिए, जिनसे दूसरे लोगों को लाभ पहुंचे। उन्होंने कहा कि सत्य, ईमानदारी, करुणा, दया और इंसाफ जैसे मूल्यों को जीवन में उतारना ही धर्म की वास्तविक भावना है। उन्होंने कहा कि धार्मिक पहचान केवल पूजा-पद्धति या किसी विशेष परंपरा से नहीं होनी चाहिए। किसी व्यक्ति के व्यवहार, उसके आचरण और समाज के प्रति उसकी जिम्मेदारी से भी उसके धार्मिक मूल्यों का पता चलता है।

सत्य, करुणा और इंसाफ से मजबूत होगा समाज

मुफ्ती ने कहा कि यदि युवा सत्य, ईमानदारी, करुणा और इंसाफ को अपने जीवन का हिस्सा बनाते हैं तो इसका असर सीधे समाज पर पड़ेगा। इससे आपसी अविश्वास और दूरियां कम हो सकती हैं।

तीन घंटे बाद भी नहीं चला पता, पुलिस से मदद नहीं मिलने पर परिजन ने जताई नाराजगी

यमुना नदी में डूबा अग्निवीर

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। राधाष्टमी पर्व पर बहनों के साथ ब्रज दर्शन करने आया 19 साल का युवक रविवार को वृंदावन में यमुना में डूब गया। हादसा जुगल घाट पर हुआ। युवक के गहरे पानी में जाने के बाद बहनों ने शोर मचाया। स्थानीय गोताखोरों और नाविकों ने करीब 3 घंटे तक उसकी तलाश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। बाद में मौके पर पहुंची SDRF टीम ने भी युवक की तलाश शुरू कर दी। हादसे के बाद युवक की बहनों ने पुलिस से मदद नहीं मिलने पर नाराजगी जताई। बहनों के मुताबिक, उनका भाई अग्निवीर है और परिवार की जिम्मेदारी भी उसी पर थी। अल्मोड़ा निवासी हर्ष बिष्ट सुबह करीब 9 बजे अपनी दो बहनों और चचेरे भाई के साथ वृंदावन पहुंचे थे। तीनों पहले बरसाना गए थे। इसके बाद वृंदावन के जुगल घाट पहुंचे। यहां हर्ष कपड़े उतारकर यमुना में स्नान करने चला गया, जबकि उसकी बहनें किनारे पर नाव के पास खड़ी थीं। स्नान करते समय हर्ष अचानक गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। उसे डूबता देख बहनों ने शोर मचाया। मौके पर मौजूद एक बाबा उसे बचाने के लिए यमुना में कूद गए। बाबा ने पानी में काफी देर तक तलाश की। एक बार उनके हाथ हर्ष के बाल भी आए, लेकिन पानी गहरा होने के कारण वह ज्यादा देर तक पानी में नहीं रह सके। दोबारा तलाश के बाद भी हर्ष नहीं मिला।

स्थानीय गोताखोरों ने भी तलाश की

हादसे के बाद स्थानीय नाविकों और गोताखोरों ने यमुना में युवक की तलाश की। करीब एक घंटे तक स्पीड बोट से भी तलाश की गई, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और SDRF टीम को सूचना दी गई। SDRF की टीम ने मौके पर पहुंचकर युवक की तलाश शुरू कर दी। बहन ने बताया कि हर्ष अग्निवीर है और परिवार की जिम्मेदारी संभालता था। फिलहाल पुलिस और SDRF की टीम यमुना में हर्ष की तलाश में जुटी हुई है।

> हर्ष की बहन ने आरोप लगाया कि भाई के डूबने के बाद उन्होंने पुलिस से मदद मांगी, लेकिन काफी देर तक कोई प्रभावी मदद नहीं मिली। उन्होंने बताया कि पुलिसकर्मी कभी अधिकारियों को सूचना देने की बात कहते रहे तो कभी पेट्रोल नहीं होने की बात कही।

आईपीईसी-टीबीआई फाउंडेशन के इन्क्यूबेटेड स्टार्टअप को मिली 40 लाख रुपये की फंडिंग

तमसा संकेत, संवाददाता

साहिबाबाद। इंद्रप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्यूबेटर फाउंडेशन के इन्क्यूबेटेड स्टार्टअप कैम्पेनिंग सोर्स प्राइवेट लिमिटेड ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। स्टार्टअप को इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार की जेनेसिस योजना के पायलट कंपोनेंट के तहत 40 लाख रुपये की फंडिंग मिली है।

आईपीईसी-टीबीआई फाउंडेशन के अनुसार, यह उपलब्धि उसके स्टार्टअप इकोसिस्टम में तकनीक आधारित उद्यमों को नवाचार से बाजार तक पहुंचाने के प्रयासों को भी रेखांकित करती है। फाउंडेशन की ओर से स्टार्टअप्स को इनक्यूबेशन, मेंटरिंग, तकनीकी सहयोग, बिजनेस मार्गदर्शन और सरकारी योजनाओं तक पहुंच उपलब्ध कराई जाती है। आईपीईसी के वाइस चेयरमैन पुनीत अग्रवाल और निदेशक प्रो. डॉ. डी.के. शर्मा ने कैम्पेनिंग सोर्स की टीम को बधाई देते हुए नवाचार, प्रभावी क्रियान्वयन और सतत विकास पर ध्यान देने के लिए प्रेरित किया। आईपीईसी-टीबीआई फाउंडेशन के सीईओ साजिद रजा ने कहा कि जेनेसिस योजना के तहत मिली फंडिंग स्टार्टअप और आईपीईसी-टीबीआई दोनों के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि यह सफलता संरचित इनक्यूबेशन और राष्ट्रीय स्तर के नवाचार एवं उद्यमिता कार्यक्रमों तक पहुंच के महत्व को दर्शाती है।

फंडिंग से स्टार्टअप को अपनी तकनीकी क्षमताओं को मजबूत करने और समाधान की व्यवहारिकता व प्रभाव को प्रदर्शित करने के लिए पायलट गतिविधियों में तेजी लाने में मदद मिलेगी।

पृष्ठ 01 का शेष...

कांग्रेस जोकरों की ...

दूसरी तरफ कांग्रेस ने BJP और RSS पर शिक्षा व्यवस्था को खोखला और भ्रष्ट करने का आरोप लगाया। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि राहुल गांधी छात्रों के साथ खड़े हैं, इसलिए सरकार से सवाल पूछ रहे हैं और जवाबदेही मांग रहे हैं। वहीं राहुल गांधी ने इंदौर में अपने कार्यक्रम का जिक्र करते हुए X पर अपने पोस्ट के जरिए हॉस्टल की कमी का मुद्दा उठाया। उन्होंने लिखा- कल इंदौर में एक छात्रा ने मुझसे पूछा कि सरकार के पास दिया जलाने के लिए पैसा है, हमारे हॉस्टल के लिए क्यों नहीं? राहुल ने कहा कि गांव से शहर पढ़ने आने वाली छात्राओं को हॉस्टल नहीं मिलने पर PG में रहना पड़ता है। किराए और सुरक्षित रहने का खर्च इतना ज्यादा है कि कई लड़कियां पढ़ाई छोड़ देती हैं। राहुल गांधी ने शनिवार को इंदौर में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के पांचवें एडिशन में हिस्सा लिया। इसका विषय 'सिस्टम बनाम स्टूडेंट्स' था। यह कार्यक्रम इससे पहले कोटा, देहरादून, प्रयागराज और पुणे में भी हो चुका है। इंदौर में छात्रों ने शिक्षा, भर्ती, परीक्षा, आरक्षण, हॉस्टल और रोजगार से जुड़े मुद्दे उठाए। एक छात्रा ने सरकारी परीक्षाएं पास करने के बावजूद OBC आरक्षण से जुड़ी कानूनी प्रक्रिया के कारण रुकी नियुक्तियों का मुद्दा उठाया। एक छात्र ने MPPSC में कथित गड़बड़ियों के खिलाफ आवाज उठाने पर खुद और अन्य लोगों पर कार्रवाई होने की बात कही। आदिवासी छात्रों ने हॉस्टल और दूसरी सुविधाओं की कमी का मुद्दा उठाया। शिक्षक भर्ती अभ्यर्थियों के प्रदर्शन का मुद्दा भी कार्यक्रम में उठा, जिस पर राहुल ने उनके आंदोलन में शामिल होने की पेशकश की। राहुल ने कहा कि शिक्षा बच्चों का अधिकार है, कोई एहसान या सुविधा नहीं।

कार्यक्रम में स्टैंडअप कॉमेडियन पुलकित मणि ने PM मोदी के अंदाज से मिलते-जुलते हाव-भाव और संवाद किए। राहुल गांधी भी उनके साथ हंसते नजर आए। राहुल ने पुलकित से कहा- हाउ आर यू मोदी जी। नाइस टू मीट यू। और बताइए थोड़ा। पुलकित ने इस दौरान कई डायलॉग्स बोले, जिन्हें प्रधानमंत्री की नकल के तौर पर देखा गया। कार्यक्रम का वीडियो कांग्रेस के X हैंडल पर शेयर किया गया। वीडियो सामने आने के बाद BJP नेताओं ने इस पर आपत्ति जताई। राहुल ने कहा कि छात्र जिज्ञासु होते हैं और संस्थानों के कामकाज, भर्ती, परीक्षाओं और रोजगार के अवसरों पर सवाल पूछते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि देश में एक ऐसा सिस्टम बन गया है, जो छात्रों के सवालों से डरता है और सवाल पूछने वाले छात्रों के बजाय अंधभक्त चाहता है। उन्होंने इस सिस्टम की अलग-अलग परतों का जिक्र करते हुए PM मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, NSA अजित डोभाल, RSS प्रमुख मोहन भागवत और उद्योगपतियों गौतम अडाणी और मुकेश अंबानी के नाम लिए। राहुल ने आरोप लगाया कि इनका देश के राजनीतिक, संस्थागत और आर्थिक क्षेत्रों के अलग-अलग हिस्सों पर प्रभाव है।

महिलाओं को 2 लाख ...

सरकार चुनाव के लालच में अब एक-एक नौकरी बांट रही है। कंटेंट क्रिएटर्स को पैसा दे रही है। मुख्यमंत्री के दंगा मुक्त यूपी वाले बयान पर अखिलेश ने पूछा कि दंगे के मुकदमे किसने वापस लिए थे? किसी मुख्यमंत्री ने अपने गृह जनपद (गोरखपुर) की इतनी यात्राएं नहीं की होंगी, जितनी इन्होंने कर लीं। लेकिन, अपने घर की सड़क तक ठीक नहीं बनवा सके। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य को अखिलेश ने 'डपटे सीएम' कहा। पूछा कि उन्हें सनकी कौन कह रहा था? ओपी राजभर के सोशल मीडिया अकाउंट को लेकर कहा कि अगर पासवर्ड छिन जाएगा, तो कौन पोस्ट कर पाएगा? अब पासवर्ड पाने के लिए बारगेनिंग हो रही होगी। कारोबार शुरू करने के लिए महिलाओं को 2 लाख रुपए तक का लोन दिया जाएगा। कृषि, पढ़ाई, मेडिकल और इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ-साथ अपराध पर लगाम लगाने के लिए रिमोट सेंसिंग जैसी तकनीक का उपयोग होगा। सपा सरकार आने पर जमीनों का सर्किल रेट बढ़ाकर किसानों को उचित मुआवजा दिया जाएगा।

90 लाख खाते में ...

अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि उनके कमरे की बिजली काट दी जाती थी। कई-कई घंटे उन्हें बिना बिजली के रहना पड़ता था। उन्होंने यह भी दावा किया कि उनके कमरे के आसपास सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। उन्होंने निजी कमरे के आसपास कैमरे लगाए जाने की स्थिति पर सवाल उठाया। उन्होंने पति के नाम दर्ज लाइसेंसी बंदूक का लाइसेंस उनके भाई के नाम किए जाने का आरोप भी लगाया। इसके अलावा पति के नाम की दोपहिया और चारपहिया गाड़ियों का इस्तेमाल परिवार के लोगों द्वारा किए जाने की बात कही। पति मोहम्मद अयाज उर्फ गुल्लू की हत्या के मामले में अदालत के फैसले पर शबाना नाज ने खुशी जताई।

जम्मू में आईएसआई ...

मई में जम्मू-कश्मीर पुलिस ने जम्मू के मकवाल गांव से 23 साल के करण कुमार को इसी तरह के आरोप में गिरफ्तार किया था। आरोप है कि उसे स्नैपचैट पर खुद को पंजाब में तैनात BSF जवान बताने वाली एक महिला ने अपने जाल में फंसाया था। उसने अश्लील वीडियो कॉल के जरिए करण को फंसाया और उसकी मां का वॉट्सएप ओटीपी हासिल कर अकाउंट हैक कर लिया। इसके बाद आरोप है कि महिला ने करण से बंकरों और फ्लाईओवर की तस्वीरें भेजने को कहा।

सर्वेश्वर महादेव मंदिर 92.94 लाख से संवरेगा

पर्यटन मानचित्र पर बनेगी नई पहचान

तमसा संकेत, एजेंसी

- श्रद्धालुओं को मिलेंगी आधुनिक सुविधाएं

बाराबंकी। बाराबंकी के दरियाबाद विधानसभा क्षेत्र के आलियाबाद ग्राम पंचायत स्थित प्राचीन सर्वेश्वर महादेव मंदिर को धार्मिक आस्था के साथ पर्यटन के लिहाज से भी नई पहचान देने की तैयारी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की धार्मिक स्थलों के विकास की योजना के तहत मंदिर परिसर के कायाकल्प पर 92.94 लाख रुपये खर्च किए जा रहे हैं। पर्यटन विभाग की देखरेख में चल रहे निर्माण कार्यों से श्रद्धालुओं को ठहरने और आराम करने समेत आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी।

परियोजना का निर्माण कार्यदायी संस्था सीएनडीएस करा रही है। यह परियोजना 24 अप्रैल 2026 से शुरू हुई थी और फिलहाल इसकी प्रगति करीब आठ प्रतिशत है। मंदिर परिसर में बन रहे यात्री निवास का फाउंडेशन और प्लिंथ बीम का काम पूरा हो चुका है। अब चिनाई का काम चल रहा है। इसके बाद स्लैब का निर्माण किया जाएगा।

परियोजना में यात्री निवास के साथ हॉल का निर्माण और मंदिर का बड़े पैमाने पर जीर्णोद्धार भी शामिल है। काम पूरा होने के बाद श्रद्धालुओं के ठहरने और आराम करने की सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी। इससे स्थानीय लोगों के साथ दूर-दराज से आने वाले भक्तों को भी सहूलियत मिलने की उम्मीद है।

बांग्लादेश को 114 रन से हराया, शेफाली का नाबाद शतक, दीप्ति-नंदनी को 3-3 विकेट

भारतीय विमेंस क्रिकेट टीम एशियन गेम्स के फाइनल में

जीत

निशिन। भारत ने एशियन गेम्स के विमेंस क्रिकेट सेमीफाइनल में बांग्लादेश को 114 रन से हराकर फाइनल में जगह बना ली। भारत ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट पर 195 रन बनाए थे। जवाब में बांग्लादेश की टीम 15.4 ओवर में 81 रन पर ऑलआउट हो गई। 22 सितंबर को फाइनल में भारत का सामना श्रीलंका से होगा। भारत के लिए शेफाली वर्मा ने 49 गेंदों पर नाबाद 100 रन बनाए। उन्होंने 9 चौके और 3 छक्के लगाए। शेफाली ने हरमनप्रीत कौर के साथ तीसरे विकेट के लिए 94 रन की साझेदारी की।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

■ **भारत-** शेफाली वर्मा, स्मृति मंधाना, भारती फुलमाली, हरमनप्रीत कौर (कप्तान), ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी कमालिनी, दीप्ति शर्मा, श्रेयंका पाटिल, श्री चरणी, नंदनी शर्मा और क्रांति गौड़।

■ **बांग्लादेश:** दिलारा अख्तर, जुआरिया फिरदौस, शोभना मुस्तारी, निगार सुल्ताना (विकेटकीपर/कप्तान), शोर्ना अख्तर, शर्मिन अख्तर, शांजिदा अख्तर मेघला, राबेया खान, नाहिदा अख्तर, मारुफा अख्तर और सुल्ताना खातून।

भारत एशियाड के फाइनल में, बांग्लादेश 81 पर ऑलआउट

दीप्ति शर्मा ने 15वें ओवर में लगातार दो विकेट लेकर बांग्लादेश की पारी समेट दी। 15.2 ओवर में मारूफा अक्तर को LBW आउट करने के बाद 15.4 ओवर में शांजिदा अख्तर मेघला का कैच जी कमलिनी ने लॉन्ग-ऑन पर पकड़ा। बांग्लादेश 81 रन पर ऑलआउट हो गया और भारत ने 114 रन से जीत दर्ज कर फाइनल में जगह बनाई।

क्रांति गौड़ ने शोभना मोस्तारी को आउट कर बांग्लादेश को दूसरा झटका दिया। शॉर्ट ऑफ लेंथ गेंद पर मोस्तारी ने पुल शॉट खेला, लेकिन गेंद मिडविकेट की ओर हवा में चली गई। भारती फुलमाली ने दौड़ते हुए शानदार कैच पकड़ा। मोस्तारी 7 गेंद पर 4 रन बनाकर आउट हुईं। लेकिन गेंद मिड-ऑफ पर हवा में चली गई। हरमनप्रीत कौर ने दूसरे कोशिश में कैच पकड़ा। शोर्ना 8 गेंद पर 5 रन बनाकर आउट हुईं।

नंदनी ने एक ही ओवर में दो विकेट लिए

नंदनी शर्मा ने 10वें ओवर में लगातार दो गेंदों पर विकेट लेकर बांग्लादेश की पारी मुश्किल में डाल दी। उन्होंने पहले नाहिदा अख्तर को 4 रन पर कैच एंड बोल्ड किया और अगली गेंद पर राबेया खान को बोल्ड कर दिया। नंदनी के पास हैट्रिक का मौका था, लेकिन सुल्ताना खातून पहली गेंद पर बच गईं। 11 ओवर के बाद बांग्लादेश का स्कोर 7 विकेट पर 56 रन है।

कप्तान निगार सुल्ताना 9 रन पर पवेलियन लौटीं

श्री चरणी ने निगार सुल्ताना को आउट कर बांग्लादेश को तीसरा झटका दिया। सुल्ताना आगे बढ़कर बड़ा शॉट खेलने गईं, लेकिन गेंद मिड-ऑफ की ओर हवा में चली गई। क्रांति गौड़ ने आसान कैच पकड़ा। सुल्ताना 9 गेंद पर 9 रन बनाकर आउट हुईं। दीप्ति शर्मा ने दिलारा अख्तर को आउट कर बांग्लादेश को पांचवां झटका दिया। दिलारा आगे बढ़कर बड़ा शॉट खेलने गईं, लेकिन गेंद बल्ले का बाहरी किनारा लेकर हवा में गई। श्रेयांका पाटिल ने मिड-ऑफ के पास आसान कैच पकड़ा।

वजन कम करने सौना बाथ लेने गया भारतीय खिलाड़ी बेहोश

मिक्स्ड मार्शल आर्टस के मैच में अनफिट घोषित हुआ

मुंबई। भारतीय मिक्स्ड मार्शल आर्टस खिलाड़ी वरुण सान्याल एशियन गेम्स से बाहर हो गए है। उन्हें 77 kg वेट कैटेगरी के क्वार्टर फाइनल से पहले मेडिकल अनफिट घोषित कर दिया गया।

मुकाबले के लिए वजन कम करने के दौरान सौना बाथ लेने में उनकी तबीयत बिगड़ गई और वे बेहोश हो गए। एक नेपाली खिलाड़ी ने उन्हें देखा और मेडिकल टीम तक पहुंचाने में मदद की।

घटना की जानकारी मिलने के बाद MMA इंडिया के अध्यक्ष निखिल कुंदर और भारतीय अधिकारी भी वहां पहुंचे।

डॉक्टरों ने वरुण की जांच की और उन्हें मुकाबले के लिए अनफिट घोषित कर दिया। इसके कारण वे 77 kg वेट के क्वार्टर फाइनल में नहीं उतर सके।

उनका क्वार्टर फाइनल बहरीन के मुखम्मद नबीयेव से होना था। वरुण को प्रीलिमिनरी राउंड में बाई मिली थी, इसलिए वे सीधे क्वार्टर फाइनल में पहुंचे थे।

वरुण ने मीडिया से कहा, 'जब मैं आखिरकार अपने कमरे में पहुंचा और बिस्तर पर गिरा, तब मेरा शरीर पूरी तरह थक चुका था।

डॉक्टरों की मेडिकल क्लियरेंस नहीं मिलने के कारण वरुण 77 किग्रा वर्ग के क्वार्टरफाइनल में नहीं उतर सके।

इस तरह उनका एशियन गेम्स अभियान मुकाबला खेले बिना ही खत्म हो गया।

टेस्ट मैचों में नींद नहीं आती थी : रोहित शर्मा

तब मां के हाथ से बने केले के चिप्स खाता था

मुंबई। क्रिकेटर रोहित शर्मा ने कहा- टेस्ट क्रिकेट उनका पसंदीदा फॉर्मेट था। लेकिन इसमें खेलने का दबाव भी काफी रहता था। मैं झूठ नहीं बोलूंगा, लेकिन जब भी मैं टेस्ट मैच खेलता था, अंदर बहुत नर्वसनेस होती थी। नर्वसनेस के कारण रात में नींद नहीं आती थी। ऐसे में देर रात को भूख लगने पर अपनी मां के हाथ के बने केले के चिप्स खाता था। पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने यह बातें सोनी टीवी पर अपने नए शो 'फैमिली फुल हाउस विद रोहित शर्मा' में कही। IPL में कोलकाता नाइट राइडर्स के कोच अभिषेक नायर भी शो में आए थे। जब उन्होंने रोहित से IPL टीम बदलने के बारे में पूछा, तो रोहित क जवाब था- हमेशा मुंबई। रोहित का यह

रियलिटी शो आज से सोनी टीवी पर आएगा। इसके एपिसोड्स OTT प्लेटफॉर्म सोनी लिव पर भी दिखाए जाएंगे। यह अमेरिका के फेमस शो 'फैमिली फ्यूड' का भारतीय रूपांतरण होगा, जिसे अमेरिका के जाने में माने टीवी कलाकार स्टीव हार्वे होस्ट करते हैं। यह गेम शो होगा, जिसमें दो परिवार हिस्सा लेंगे। इस प्रोजेक्ट पर रोहित करीब छह महीने काम करेंगे। हफ्ते में दो एपिसोड टेलिकास्ट होंगे।

भारत को हटाकर टी-20 रैंकिंग में नंबर-1 बना इंग्लैंड

श्रीलंका के खिलाफ 3-0 से क्लीन स्वीप किया, तीसरा मैच 8 विकेट से जीता

मैनचेस्टर। इंग्लैंड ने 55 दिन बाद भारत से T20I की नंबर-1 रैंकिंग फिर छीन ली। इंग्लैंड ने मैनचेस्टर में श्रीलंका को तीसरे T20I में 8 विकेट से हराकर सीरीज 3-0 से अपने नाम की। श्रीलंका के 124 रन के जवाब में इंग्लैंड ने 9.4 ओवर में 2 विकेट पर 126 रन बनाकर जीत दर्ज की। इंग्लैंड ने 62 गेंद बाकी रहते लक्ष्य हासिल किया। यह 120+ रन के लक्ष्य का सबसे तेज T20I चेज है।

इंग्लैंड ने 11 जुलाई को भारत को 4-0 से हराकर T20I रैंकिंग में नंबर-1 स्थान हासिल किया था। भारत ने 26 जुलाई को जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज में 2-0 की बढ़त बनाकर यह स्थान वापस ले लिया था। अब 19 सितंबर को इंग्लैंड ने श्रीलंका को 3-0 से हराकर 55 दिन बाद नंबर-1 स्थान फिर हासिल कर लिया। इंग्लैंड के लिए सॉनी बेकर, जोफ्रा आर्चर और विल जैक्स ने 2-

2 विकेट लिए। जेमी ओवरटन ने 1 विकेट लिया। बेकर ने 3.5 ओवर में 17 रन देकर 2 विकेट लिए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। बेकर ने सीरीज के तीन मैचों में 6 विकेट लिए। उनकी इकोनॉमी 3.71 रही।

सॉनी बेकर ने तीन मैचों की पूरी सीरीज में लगातार प्रभावी गेंदबाजी की। उन्होंने सीरीज के तीन मुकाबलों में कुल छह विकेट हासिल किए।

इस दौरान उनकी इकोनॉमी रेट 3.71 रही। श्रीलंका के खिलाफ पूरी सीरीज में इंग्लैंड के गेंदबाजों ने दबाव बनाए रखा और टीम को तीनों मुकाबलों में जीत दिलाई।

बटलर ने रिजवान का रिकॉर्ड तोड़ा

इसके बाद बटलर और हैरी ब्रुक ने दूसरे विकेट के लिए 38 गेंदों पर 85 रन की साझेदारी की। दोनों ने पावरप्ले में ही इंग्लैंड का स्कोर 82 रन तक पहुंचा दिया। ब्रुक 33 रन बनाकर रन आउट हुए। बटलर ने 32 गेंदों पर नाबाद 62 रन बनाए। उन्होंने 7 चौके और 2 छक्के लगाए। उनका स्ट्राइक रेट 193.75 रहा। बटलर ने छक्का लगाकर इंग्लैंड को जीत दिलाई। यह T20I में बटलर की 32वीं 50+ रन की पारी थी। इसके साथ ही उन्होंने पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने T20I में 31 बार 50+ रन बनाए हैं। इस लिस्ट में बाबर आजम 42 बार के साथ पहले, विराट कोहली 39 बार के साथ दूसरे और रोहित शर्मा 37 बार के साथ तीसरे नंबर पर हैं। बटलर अब चौथे नंबर पर पहुंच गए हैं।

श्रीलंका के आखिरी 6 विकेट 17 रन में गिरे

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत खराब रही। सॉनी बेकर ने लाहिरू उदारा को आउट किया। इसके बाद विल जैक्स ने पावरप्ले में दो विकेट लिए। पाथुम निसंका 24 गेंदों पर 36 रन बनाकर आउट हुए। कमिंदु मेंडिस ने 28 गेंदों पर 35 रन बनाए। उन्होंने 3 चौके और 2 छक्के लगाए। लेकिन दूसरे छोर से उन्हें पर्याप्त साथ नहीं मिला।

चरित असलंका रन आउट हुए। ईशान मलिंगा भी रन आउट हुए। वानिंदु हसरंगा हिट विकेट हुए। श्रीलंका ने आखिरी 6 विकेट सिर्फ 17 रन में गंवा दिए। पूरी टीम 18.5 ओवर में 124 रन पर ऑलआउट हो गई।

श्रीलंका पर लगातार 15वीं जीत

इंग्लैंड की श्रीलंका के खिलाफ T20I में यह लगातार 15वीं जीत है। इसके साथ इंग्लैंड ने किसी फुल मेंबर टीम के खिलाफ लगातार सबसे ज्यादा T20I जीत के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। भारत 20 फरवरी 2022 को पहली बार T20I रैंकिंग में नंबर-1 बना था। उसका यह पहला कार्यकाल 1,605 दिन चला।

जुलाई 2026 में इंग्लैंड ने 4-0 की सीरीज जीतकर भारत से यह स्थान छीन लिया था। इसके बाद भारत ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 2-0 की बढ़त बनाकर नंबर-1 स्थान वापस हासिल किया। अब 55 दिन बाद इंग्लैंड फिर भारत से नंबर-1 रैंकिंग छीनकर शीर्ष पर पहुंच गया है।

मनोरंजन

कटरीना की ट्रोलिंग के बाद भड़के सलमान

बोले- मुझे भी कहा गया- बूढ़ा हो गया, बीच शो में उतारी टी-शर्ट, दिखाए एब्स

मुबंई। टीवी शो 'बिग बॉस 20' के दूसरे 'वीकेंड का वार' में शनिवार को ट्रोलर्स पर जमकर भड़के। सलमान खान ने बॉडी-शेमिंग और एज-शेमिंग पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि उन्हें भी 'बूढ़ा हो गया' कहा गया है। इसके बाद सलमान ने बीच शो में अपनी टी-शर्ट उतारकर एब्स दिखाए। बता दें कि सलमान की टिप्पणी हाल ही में कटरीना कैफ की हुई ट्रोलिंग के बाद आई। दरअसल, सलमान ने शनिवार के एपिसोड में कंटेस्टेंट स्काउटओपी के सोशल मीडिया और गेमिंग कम्युनिटी से जुड़े बयान का जिक्र किया। सलमान ने कहा कि सोशल मीडिया आज एक बड़ा प्रोफेशन बन चुका है। गेमिंग, कंटेंट क्रिएशन, वीडियो एडिटिंग और

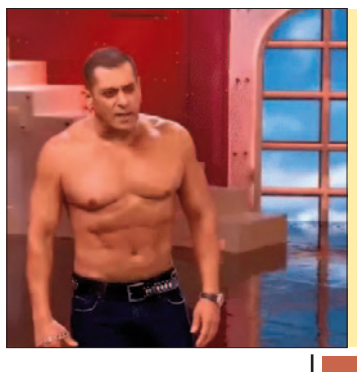

सलमान ने इस पर कहा कि 'बूढ़ा हो गया, ऑफकोर्स 60 साल का हो गया हूं।' उन्होंने इस बात को स्वीकार करते हुए कहा कि उम्र बढ़ना स्वाभाविक है।

सोशल मीडिया के दूसरे कामों के जरिए बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार और पहचान मिल रही है, लेकिन इसी प्लेटफॉर्म का एक दूसरा पहलू ट्रोलिंग भी है। सलमान ने समझाया कि जब कोई व्यक्ति आगे बढ़ रहा होता है।

'उसके जिस्म, वजन और लुक्स पर गंदा लिख रहे हो'

सलमान ने ट्रोलिंग के कई रूप गिनाए। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर लोग किसी के जिस्म, वजन, लुक्स, खानदान, मुस्कान, फ्लॉप होने या मां बनने तक पर टिप्पणी करने लगे हैं। उन्होंने ऐसे कमेंट्स का जिक्र करते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर किसी को 'भद्दी लग रही है', 'मोटी हो गई है' या 'बूढ़ा हो गया है' जैसी बातें कही जाती हैं।

'जब अपनी शक्ल से ही परेशान हो तो दूसरे को क्यों देखते हो?'

सलमान ने ट्रोलर्स से सवाल किया कि अगर कोई व्यक्ति अपनी शक्ल या शरीर को लेकर इतना असहज है कि उसे अपनी पहचान से परेशानी होती है, तो वह किसी ऐसे व्यक्ति के शरीर और लुक्स पर टिप्पणी क्यों करता है, जिससे वह शायद कभी मिला भी नहीं है? सलमान ने ट्रोलिंग करने वालों के परिवारों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि ट्रोल करने वालों के अपने घर में भी मां, पिता, बहन, पत्नी, गर्लफ्रेंड, बेटी या भाई हो सकते हैं।

महिलाओं की बॉडी पर कमेंट करने वालों को भी जवाब

सलमान ने महिलाओं के शरीर को लेकर होने वाली ऑनलाइन टिप्पणियों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जब कोई महिला मां बनती है तो प्रेग्नेंसी के दौरान वजन बढ़ना स्वाभाविक है। उन्होंने सवाल किया कि किसी महिला के मां बनने के बाद उसके शरीर में आए बदलावों को लेकर लोग उसे क्यों ट्रोल करते हैं? सलमान ने कहा कि जब वह महिला दोबारा काम पर लौटेगी तो वह अपनी फिटनेस पर भी ध्यान दे सकती है।

लेकिन यह उसका निजी फैसला है कि वह अपने परिवार के साथ कितना समय बिताना चाहती है और अपने शरीर के साथ क्या करना चाहती है।

जूबीन गर्ग के निधन के हुए एक साल

पत्नी गरिमा बोलीं- वो हर जगह दिखते हैं, सिंगापुर में क्या हुआ

मुंबई। असम के मशहूर गायक जुबीन गर्ग की पहली बरसी पर उनकी पत्नी गरिमा ने न्याय की मांग की है। मशहूर सिंगर जुबीन गर्ग का 19 सितंबर 2025 को सिंगापुर में निधन हुआ था। वह एक कॉन्सर्ट के लिए गए थे। मौत के बाद 7 लोगों को जांच के दायरे में लिया गया है। उनकी पहली बरसी पर कई चाहनेवाले उनके घर पहुंच रहे हैं। इस पर उनकी पत्नी ने कहा है कि परिवार और असम के लोग अब भी जवाब का इंतजार कर रहे हैं कि आखिर उनकी मौत कैसे हुई। गरिमा ने एनडीटीवी से बातचीत में कहा, "हम जानना चाहते हैं कि 19 सितंबर 2025 को सिंगापुर में असल में में क्या हुआ था। मैं उन्हें हर जगह

देखती हूं। जिस तरह लोग यहां आए हैं, वे किसी की जाति, धर्म या विचारधारा को नहीं देख रहे हैं। वे इंसान बनकर आए हैं।" असम सरकार ने सिंगापुर में उनकी मौत के कारणों और परिस्थितियों की जांच के लिए प्रक्रिया शुरू की थी। असम सरकार ने कहा है कि जांच का मकसद जुबीन की सिंगापुर में मौत से जुड़ी परिस्थितियों और तथ्यों का पता लगाना है।

हरियाणा पुलिस का पंजाबी सिंगर आर नेत को नोटिस

3 दिन पहले शूटिंग में वेपन दिखाए, शिवा चौधरी साथ थीं

कैथल। 'तेरे यार नूं दबण नूं फिरदे सी' फेम पंजाबी सिंगर आर नेत और उनकी टीम को हरियाणा पुलिस ने कारण बताओ नोटिस जारी किया है। कैथल जिले के गांव कमालपुर में सॉन्ग की शूटिंग के दौरान सार्वजनिक रूप से हथियारों के प्रदर्शन करने पर यह नोटिस जारी किया गया है। कैथल डीएसपी बीर भान का कहना है कि बिना अनुमति इस प्रकार की एक्टिविटी प्रदेश में जायज नहीं हैं। पुलिस ने वेपन के प्रदर्शन को गलत बताते हुए ही यह नोटिस जारी किया है। सिंगर और उनकी टीम को इस बारे में जल्द से जल्द जवाब देने की बात कही है। वहीं, अभी सॉन्ग का नाम औ रिलीज डेट भी सामने नहीं आई है। बता दें कि पंजाब के मानसा जिले के गांव धरमपुरा के रहने वाले सिंगर आरनेत का पूरा नाम नेत्रपाल सिंह है। करियर की शुरुआत साल

2015 में 'लांसर 2' गाने से की थी। उन्होंने सिद्धू मूसवाला के साथ 'पॉइजन' और सपना चौधरी के साथ 'लुटेरा' जैसे कई ब्लॉकबस्टर गानों में काम किया है। डीएसपी बीर भान ने अपील करते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर हथियारों का प्रदर्शन न करें। हथियारों का अनावश्यक प्रदर्शन कानूनन कार्रवाई का कारण बन सकता है। इस तरह की गैर कानूनी गतिविधियां नोटिस में आती हैं तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

भाषा की ट्रोलिंग पर रश्मिका ने दिया जवाब

बोलीं- अलग तरह से बोलने पर लोगों की राय सुनने की अब आदत हो गई

मुंबई। एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना ने अलग-अलग फिल्म इंडस्ट्री में काम करने के दौरान अपने एक्सेंट और भाषा को लेकर होने वाली ट्रोलिंग पर जवाब दिया। उन्होंने कहा कि वह किसी एक भाषा में जरूरी नहीं कि बहुत अच्छी हों। उनका सफर अलग-अलग भाषाओं और किरदारों के हिसाब से लगातार ढलने का रहा है। रश्मिका ने बताया कि हिंदी को लेकर भी ऐसा ही हुआ।

इसी तरह उनका करियर अलग-अलग भाषाओं में आगे बढ़ता गया। जब उनसे एक्सेंट को लेकर लोगों की प्रतिक्रियाओं के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि अलग तरह से बोलने को लेकर लोगों की राय सुनने की अब उन्हें आदत हो गई है। रश्मिका ने कहा, "जब तक मैं किसी भाषा में पूछे गए सवालों का जवाब दे सकती हूं, तब तक ठीक है।

इसी तरह मैं दुनिया के अलग-अलग हिस्सों से आए अपने दर्शकों का सम्मान करती हूं।" उन्होंने आगे कहा, "मैं हर काम में हाथ आजमाने वाली हूं, लेकिन

किसी एक काम में मास्टर नहीं हूं।" उन्होंने आगे कहा, "मैं किसी के काम में दखल नहीं देना चाहती। मैं सिर्फ एक एक्ट्रेस के तौर पर अपना सबसे अच्छा प्रदर्शन देने पर ध्यान देती हूं।" मेरे फैंस, जिन्हें मैं अपना परिवार कहती हूं, उन्होंने सबसे पहले मुझसे तेलुगु फिल्म करने को कहा था।"

बता दें कि साल 2023 में फिल्म 'एनिमल' को लेकर रश्मिका को ट्रोल किया गया था। फिल्म के ट्रेलर में रश्मिका मंदाना के करवाचौथ वाले सीन ने खूब चर्चा बटोरी थी। इस सीन में रणबीर कपूर के किरदार के साथ उनके डायलॉग और बोलने के अंदाज को लेकर सोशल मीडिया पर उन्हें ट्रोल किया गया था। कई लोगों ने कहा कि उनका डायलॉग साफ समझ नहीं आ रहा था।

'एनिमल' के एक सीन पर रश्मिका ट्रोल हुई थीं

बता दें कि साल 2023 में फिल्म 'एनिमल' को लेकर रश्मिका को ट्रोल किया गया था। फिल्म के ट्रेलर में रश्मिका मंदाना के करवाचौथ वाले सीन ने खूब चर्चा बटोरी थी। इस सीन में रणबीर कपूर के किरदार के साथ उनके डायलॉग और बोलने के अंदाज को लेकर सोशल मीडिया पर उन्हें ट्रोल किया गया था। कई लोगों ने कहा कि उनका डायलॉग साफ समझ नहीं आ रहा था।

रश्मिका ने कहा कि फिल्मों में अपने एक्सेंट को लेकर होने वाली बेवजह की चर्चाओं पर वह ज्यादा ध्यान नहीं देतीं। इसके बजाय, वह अपने किरदार को पूरी क्षमता से निभाने पर ध्यान देती हैं। उन्होंने कहा, "एक्ट्रेस के तौर पर मेरा काम सेट पर अच्छी कहानियां सुनाना और फिर वापस आना है। हर फिल्म के साथ मेरा मानना है कि हममें से सबसे अच्छा हिस्सा कुछ जादुई बनाने के लिए साथ आता है।"

भाषाओं को लेकर बोलीं रश्मिका

रश्मिका ने कहा, "मैं कोडवा हूं और कोडवा तक्क बोलती हूं। मेरी मातृभाषा के लिए कोई फिल्म इंडस्ट्री नहीं है। इसलिए भाषा मेरे करियर में कभी रुकावट नहीं बनी।" उन्होंने कहा, "मैं सभी भाषाओं को अपनी भाषा मानती हूं।

ट्रम्प छुट्टी खत्म होने से पहले व्हाइट हाउस लौटे, दावा- अमेरिकी विमान ब्रिटिश एयरबेस से रवाना हुए

अमेरिका ने मिडिल-ईस्ट में दूतावासों को अलर्ट भेजा

तनाव

वॉशिंगटन, एजेंसी

मिडिल-ईस्ट में अमेरिका और ईरान के बीच एक बार फिर तनाव बढ़ता नजर आ रहा है। अमेरिका ने इलाके में मौजूद अपने दूतावासों और नागरिकों के लिए सुरक्षा अलर्ट जारी किया है। अमेरिकी विदेश विभाग ने लोगों से ज्यादा सतर्क रहने को कहा है। इसी बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अपना कैंप डेविड दौरा एक दिन पहले खत्म कर शनिवार शाम व्हाइट हाउस लौट आए। ट्रम्प की जल्दी वापसी की वजह व्हाइट

हाउस ने नहीं बताई है। वहीं, रशिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी B-1B लांसर बॉम्बर ने ब्रिटेन के RAF फेयरफोर्ड एयरबेस से फुल आफ्टरबर्नर के साथ उड़ान भरते हुए मिडिल-ईस्ट की तरफ रवाना हुआ है।

9 देशों में अमेरिकी नागरिकों को सावधानी की सलाह

अमेरिका ने इराक, बहरीन, ओमान, सऊदी अरब, ईरान, कतर, लेबनान, कुवैत और जॉर्डन में रह रहे अपने नागरिकों को सावधान रहने को कहा है। अमेरिका ने कहा कि मिडिल-ईस्ट में जारी संघर्ष तेजी से बढ़ सकता है। इसलिए इन देशों की यात्रा करने वाले अमेरिकियों को भी सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। अमेरिकी नागरिकों से कहा गया है कि वे फ्लाइट और एयरपोर्ट से जुड़ी ताजा जानकारी देखते रहें।

ईरान ने जंग खत्म करने के लिए 7 शर्तें रखीं

ईरान ने चल रही जंग खत्म करने के लिए अमेरिका के सामने 7 शर्तें रखी हैं। ईरान ने कहा है कि अगर अमेरिका ने उसकी मांगें नहीं मानीं तो वह जंग जारी रखने के लिए तैयार है। ईरान के सुरक्षा प्रमुख मोहसिन रेजाई ने अल जजीरा से कहा कि कतर ने मध्यस्थ के तौर पर ईरान की शर्तें अमेरिका तक पहुंचा दी हैं। अब ईरान ट्रम्प के जवाब का इंतजार कर रहा है। रेजाई के मुताबिक, ईरान की मांगों में सभी मोर्चों पर युद्ध रोकना, विदेशों में फ्रीज किए गए ईरानी फंड जारी करना और नौसैनिक नाकाबंदी खत्म करना शामिल है।

सऊदी बोला- हूतियों ने रियाद पर मिसाइल हमले की कोशिश की

सऊदी अरब ने कहा कि हूतियों ने उसकी राजधानी रियाद पर बैलिस्टिक मिसाइल से हमला करने की कोशिश की। सऊदी सेना के मुताबिक, उसने मिसाइलों को रास्ते में ही रोक दिया। हूती प्रवक्ता याह्या सरी ने कहा कि संगठन ने सऊदी अरब पर कई बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों के साथ ड्रोन भी भेजे। उनके मुताबिक, रियाद और सऊदी तेल कंपनी अरामको की यानबू स्थित सुविधाओं को निशाना बनाया गया। इस हमले के बाद सऊदी अरब और हूतियों के बीच तनाव और बढ़ गया है।

66 मोहम्मदी ने कहा कि इसके बावजूद कई ईरानी अपने अधिकारों के लिए आवाज उठा रहे हैं। उन्होंने खास तौर पर युवा पीढ़ी का जिक्र किया, जो अपने अधिकारों को समझती है और विरोध करने से पीछे नहीं हट रही। मोहम्मदी ने कहा कि पिछले डेढ़ साल में समाज में सरकारी दमन और बढ़ा है। मुश्किलें और बढ़ा दी हैं।

पाकिस्तान का विदेशी मुद्रा भंडार 3 साल में 7 गुना

3 से 26 अरब डॉलर पहुंचा, इसमें कमाई कम, कर्ज ज्यादा

इस्लामाबाद, एजेंसी

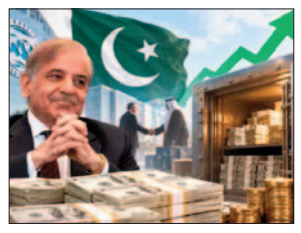

पाकिस्तान का विदेशी मुद्रा भंडार पिछले 3 साल में करीब 7 गुना बढ़कर 26.79 अरब डॉलर पहुंच गया है। जनवरी 2023 में पाकिस्तान के पास डॉलर की भारी कमी थी। स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान (SBP) का रिजर्व सिर्फ 3.08 अरब डॉलर रह गया था। अब 11 सितंबर 2026 तक SBP के पास विदेशी मुद्रा भंडार 21.39 अरब डॉलर पहुंच गया है। यह SBP के इतिहास का सबसे ऊंचा स्तर है। SBP के साथ दूसरे बैंकों के पास मौजूद विदेशी मुद्रा को जोड़ने पर पाकिस्तान का कुल रिजर्व 26.79 अरब डॉलर हो गया है। हालांकि, इस बढ़ोतरी में पाकिस्तान की कमाई से ज्यादा विदेशी कर्ज और बाहरी फंड की भूमिका है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने विदेशी मुद्रा भंडार के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने पर वित्त मंत्री मोहम्मद औरंगजेब, स्टेट बैंक के गवर्नर जमील अहमद और अपनी आर्थिक टीम की तारीफ की। उन्होंने विदेशों में रहने वाले पाकिस्तानियों को भी इस उपलब्धि में योगदान के लिए धन्यवाद दिया। आर्थिक टीम की लगातार मेहनत का नतीजा है। उन्होंने इसे इस बात का संकेत बताया कि सरकार की आर्थिक नीतियां सही दिशा में आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान के अंतरराष्ट्रीय पूंजी बाजार में दोबारा लौटने से दुनिया के निवेशकों का भरोसा उसकी अर्थव्यवस्था पर बढ़ रहा है।

फास्ट न्यूज

इजराइली सेना में हथियार-सैनिक कम पड़े

यरुशलम। इजराइल में सेना के पास कुछ हथियारों और सैनिकों की कमी हो गई है। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट्स में यह दावा किया गया है। अखबार मारिव के मुताबिक 3 साल की जंग में इजराइली सेना ने जितना गोला-बारूद इस्तेमाल किया, वह पिछले 30 साल में इस्तेमाल किए गए गोला-बारूद के बराबर था। इस वजह से बड़ी संख्या में टैंक घिस गए हैं और वे इस्तेमाल के लायक नहीं रह गए हैं। सैनिकों की भी गंभीर कमी है।

वॉट्सएप नंबर बदलने से पहले जान लें ये जरूरी बातें

नई दिल्ली। यदि आप अपना नया सिम कार्ड ले रहे हैं या फोन नंबर बदलने का प्लान बना रहे हैं, तो वॉट्सएप का चेंज नंबर फीचर आपके काम आसान कर सकता है। हालांकि, नंबर बदलने की प्रोसेस शुरू करने से पहले कुछ जरूरी तकनीकी बातों और बैकअप नियमों को जानना बेहद जरूरी है। नंबर बदलने की प्रोसेस शुरू करने से पहले चेक करें कि आपके नए नंबर पर कॉल या SMS की सर्विस शुरू हुई है या नहीं। साथ ही यह भी चेक करें कि आपका पुराना नंबर अभी वॉट्सएप पर रजिस्टर्ड है या नहीं। पुराना नंबर चेक करने के लिए वॉट्सएप के थ्री-डॉट मेनू > सेटिंग्स > प्रोफाइल पिक्चर पर जाएं।

रियाद एयरपोर्ट के पास काला धुआं उठा

रियाद। सऊदी अरब की राजधानी रियाद में शनिवार को किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास आग और काले धुएं का बड़ा गुबार दिखा।

सऊदी ने पुष्टि की है कि यमन के हूती विद्रोहियों ने शनिवार सुबह राजधानी रियाद पर बैलिस्टिक मिसाइल से हमला करने की कोशिश की।

लेकिन उन्होंने मिसाइल को रास्ते में ही रोक दिया गया।

ई-केवाईसी नहीं तो एलपीजी सिलेंडर पर सब्सिडी नहीं मिलेगी

नया नियम 1 अक्टूबर से, घर बैठे मोबाइल एप से ई-केवाईसी करें

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकार ने देशभर के घरेलू LPG ग्राहकों के लिए e-KYC को लेकर नया आदेश जारी किया है। 1 अक्टूबर से सब्सिडी वाले सिलेंडर की बुकिंग जारी रखने के लिए बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन यानी e-KYC कराना अनिवार्य होगा, नहीं तो सिलेंडर पर मिलने वाली 210 रुपए की सब्सिडी नहीं मिलेगी। पेट्रोलियम मंत्रालय का कहना है कि यह कदम फर्जी कनेक्शन बंद करने और सब्सिडी का सही फायदा सिर्फ आम घरेलू परिवारों तक पहुंचाने के लिए उठाया गया है।

पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार, 19 सितंबर तक 27.43 करोड़ एक्टिव घरेलू LPG उपभोक्ता यानी 89.9% ऑथेंटिकेशन पूरे हो चुके हैं। इनकी रिफिल बुकिंग बिना किसी रुकावट के चलती रहेगी। जिन उपभोक्ताओं का ऑथेंटिकेशन अधूरा है।

उनके लिए सब्सिडी वाली रीफिल बुकिंग ऑथेंटिकेशन के बाद ही प्रोसेस होगी। सरकार ने कहा है कि जो उपभोक्ता बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन नहीं कराना चाहते या असमर्थ हैं, उन्हें भी सिलेंडर मिलेगा, लेकिन उन्हें सब्सिडी नहीं मिलेगी। इसके लिए उन्हें डिजिटल चैनल, एप, व्हाट्सएप या IVRS के जरिए अपना ऑप्शन चुनना होगा।

उन्हें बाजार दर पर 5 किग्रा या 10 किग्रा वाले सिलेंडर दिए जाएंगे।

मॉस्को में 2 की मौत, ऑयल रिफाइनरी को भी नुकसान, रूस ने 1600 ड्रोन मार गिराए

रूस में चुनाव के आखिरी दिन सैकड़ों ड्रोन से हमला

मॉस्को, एजेंसी

रूस में संसदीय चुनाव के आखिरी दिन रविवार को मॉस्को और आसपास के इलाकों में सैकड़ों ड्रोन से हमला किया गया। रूसी अधिकारियों के मुताबिक, हमले में कम से कम 2 लोगों की मौत हुई। इनमें एक 44 साल की महिला और एक बुजुर्ग व्यक्ति शामिल हैं।

मॉस्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन के मुताबिक राजधानी की एक बड़ी ऑयल रिफाइनरी को भी नुकसान पहुंचा है। फिलहाल रिफाइनरी में किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं है। मेयर ने बताया कि शनिवार से रूस ने 1600 से ज्यादा ड्रोन को मार गिराया है। इनमें करीब 450

ड्रोन मॉस्को की तरफ बढ़ रहे थे। एक ड्रोन के 21 मंजिला अपार्टमेंट से टकराने के बाद आग लग गई। इसके बाद करीब 400 लोगों को इमारत से बाहर निकाला गया। इनमें 70 बच्चे भी शामिल थे। रूसी अधिकारियों ने चुनाव प्रक्रिया में यूक्रेन के दखल का आरोप लगाया है। चुनाव अधिकारियों के मुताबिक, मॉस्को की ऑनलाइन वोटिंग सिस्टम पर साइबर हमला हुआ।

रॉयटर्स के मुताबिक, रूस की सत्तारूढ़ यूनाइटेड रशिया पार्टी के संसद में अपना दबदबा बनाए रखने की उम्मीद है। हालांकि, यूक्रेन युद्ध की वजह से बढ़ती महंगाई और आर्थिक दबाव का असर कुछ विपक्षी पार्टियों को मिल सकता है।

रूस के कंट्रोल वाले यूक्रेन के मारियुपोल में संसदीय चुनाव के दूसरे दिन एक महिला मतदान केंद्र पर वोट डालने पहुंची।

रूस में यूक्रेन जंग के बाद पहला संसदीय चुनाव

रूस में शुक्रवार से संसदीय चुनाव के लिए मतदान चल रहा है। यह फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूस के पूर्ण पैमाने के हमले के बाद पहला संसदीय चुनाव है।

राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इस चुनाव को यूक्रेन में लड़ रहे रूसी सैनिकों के लिए जनता के समर्थन की परीक्षा के तौर पर पेश किया है। चुनाव के नतीजों को रूस पुतिन की नीतियों और यूक्रेन युद्ध के समर्थन के तौर पर पेश कर सकता है।

भारतीय समयानुसार रविवार रात 11:30 बजे से शुरुआती नतीजे आने की उम्मीद है। चुनाव के पूरे नतीजे सोमवार तक सामने आ सकते हैं।

चैटबॉट ने चीनी जहाज में परमाणु उपकरण होने की फेक खबर दी, हमले को तैयार थी अमेरिकी सेना

एआई की गलती से अमेरिका और चीन में जंग हो जाती

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) चैटबॉट की गलती से चीन से जंग के करीब पहुंच गया था। ईरान युद्ध के दौरान अमेरिकी सेना को एक खुफिया रिपोर्ट मिली। इसमें दावा किया गया था कि मिडिल ईस्ट में मौजूद चीन का एक जहाज परमाणु हथियार कार्यक्रम से जुड़े उपकरण लेकर जा रहा है। रिपोर्ट को सही मानकर अमेरिकी सेना ने चीनी जहाज को रोकने और उस पर कब्जे की तैयारी शुरू कर दी। हथियारबंद सैनिक जहाज पर चढ़ने के लिए तैयार थे, जबकि अमेरिकी सैन्य विमान भी हवा में भेजे जा चुके थे। CNN की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी अधिकारियों ने कार्रवाई शुरू करने से ठीक पहले खुफिया रिपोर्ट की दोबारा जांच की। इसी दौरान पता चला कि रिपोर्ट तैयार करने में AI चैटबॉट की मदद ली गई थी और चैटबॉट ने जहाज में मौजूद सामान की गलत पहचान की थी। दरअसल, अमेरिकी सेना के स्पेशल ऑपरेशंस कमांड के एक अधिकारी ने चीनी जहाज के सामान की जानकारी AI चैटबॉट में डाली थी। चैटबॉट ने अलग-अलग जगहों से मिली जानकारी को मिलाकर गलत निष्कर्ष निकाला।

अमेरिकी सेना में एआई के लिए एक जैसे सुरक्षा नियम नहीं

अमेरिकी सेना के अलग-अलग विभाग अपनी जरूरत के हिसाब से अलग AI टूल इस्तेमाल कर रहे हैं। इन टूल से मिली जानकारी की जांच के लिए भी पूरे सैन्य और खुफिया तंत्र में एक जैसी प्रक्रिया नहीं है। ऐसे में अगर AI गलत जानकारी दे और उसे बिना ठीक से जांचे सही मान लिया जाए, तो सैन्य कार्रवाई का फैसला भी गलत हो सकता है।

CNN से बात करते हुए एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि युद्ध जैसे संवेदनशील मामलों में इसलिए AI से मिली जानकारी की इंसानी जांच जरूरी है। AI फैसले लेने की रफ्तार बढ़ा सकता है, लेकिन उसकी गलती के गंभीर नतीजे भी हो सकते हैं।

अमेरिकी सेना में एआई का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा

यह मामला ऐसे समय सामने आया है, जब अमेरिकी सेना में AI का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। सेना AI की मदद से खुफिया जानकारी समझने, टारगेट चुनने और हथियारों व सैनिकों की तैनाती जैसे काम कर रही है। अमेरिका का मानना है कि AI युद्ध के दौरान फैसले जल्दी लेने में मदद कर सकता है। साथ ही उसे डर है कि अगर चीन सैन्य AI में आगे निकल गया तो अमेरिका को नुकसान हो सकता है। इसी वजह से रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने जनवरी में AI के इस्तेमाल को तेजी से बढ़ाने की योजना शुरू की थी। इसके तहत करीब 30 लाख सैन्य और असैन्य कर्मचारियों को AI टूल उपलब्ध कराने की तैयारी है।

सितंबर में विदेशी-निवेशकों ने भारतीय बाजार से ₹20,974 करोड़ निकाले

2026 में अब तक ₹2.45 लाख करोड़ की बिकवाली

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय शेयर बाजार में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों यानी FPIs की बिकवाली का सिलसिला फिर लौट आया है। सितंबर महीने में 18 तारीख तक विदेशी निवेशकों ने भारतीय इक्विटी से 20,974 करोड़ की भारी निकासी की है।

वैश्विक अनिश्चितताओं, अमेरिका में बढ़ती ब्याज दरों और बॉन्ड यील्ड, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले कमजोर होते रुपए ने विदेशी निवेशकों को सतर्क कर दिया है।

जुलाई में 20,200 करोड़ और अगस्त में 29,630 करोड़ की मजबूत खरीदारी के बाद सितंबर में फिर से बिकवाली देखने को मिल रही है। CDSL के आंकड़ों के मुताबिक, इस साल 2026 में FPIs अब तक भारतीय शेयरों से कुल 2.45 ट्रिलियन यानी 2.45 लाख करोड़ निकाल चुके हैं।

यह आंकड़ा पूरे 2025 में हुई 1.66 ट्रिलियन की कुल बिकवाली से भी काफी ज्यादा है।

हालांकि, इस बिकवाली के बीच एक सकारात्मक पहलू यह है कि प्राइमरी मार्केट यानी IPOs के जरिए विदेशी निवेश का ट्रेंड सितंबर में भी जारी रहा है।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों को बढ़ाकर 3.75-4.00% कर दिया है।

इसके चलते भारत और अमेरिका के बीच यील्ड का अंतर कम हो गया है।

जिससे विदेशी निवेशकों के लिए भारतीय एसेट्स की और आकर्षण घट गया है।

तैयारी : कंपनियां टोटल ₹3,825 करोड़ जुटाएंगी, 22 से 28 सितंबर के बीच ओपन होंगे

शेयर बाजार में इस हफ्ते 6 आईपीओ आएंगे

मुंबई, एजेंसी

भारतीय शेयर बाजार में इस हफ्ते 6 कंपनियां अपने इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग्स यानी IPOs लॉन्च करने की तैयारी में हैं। यह कंपनियां बाजार से टोटल 3,825 करोड़ जुटाएंगी। इन छह कंपनियों में एलीवेट कैपस, वारमोरा ग्रैनिटो, ए-वन स्टील्स इंडिया, अरमी इन्फोटेक, स्वस्तिक इंफ्रा और एड्रॉइट इंडस्ट्रीज (इंडिया) शामिल हैं। इन कंपनियों के आईपीओ 22 सितंबर से 28 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेंगे, जिनमें से ज्यादातर इश्यूज 23 सितंबर को ओपन होंगे। कंपनी प्रमोटर्स के मुताबिक, आईपीओ से मिलने वाली रकम का इस्तेमाल कैपिटल एक्सपेंडिचर (कैपेक्स), बिजनेस एक्सपेंशन, कर्ज चुकाने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों और अन्य कॉरपोरेट कामों

के लिए किया जाएगा। हिलहाउस इन्वेस्टमेंट के निवेश वाली एलीवेट कैपस का आईपीओ इस हफ्ते का सबसे बड़ा इश्यू है। यह 2,100 करोड़ का आईपीओ 23 सितंबर को खुलेगा और 25 सितंबर को बंद होगा। कंपनी ने इसके लिए 343-362 प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया है। यह पूरा इश्यू फ्रेश इश्यू है और इसमें कोई ऑफर-फॉर-सेल (OFS) कंपोनेंट नहीं है। शेयरों की लिस्टिंग 30 सितंबर को होने की उम्मीद है। कंपनी का 708 करोड़ का आईपीओ 22 सितंबर से 24 सितंबर तक खुला रहेगा। इसके लिए प्राइस बैंड 140-148 प्रति शेयर तय किया गया है। इस इश्यू में 320 करोड़ तक का फ्रेश इश्यू और निवेशक कात्सुरा इन्वेस्टमेंट्स का 388 करोड़ वैल्यू के 2.62 करोड़ शेयरों का ओएफएस शामिल है।

सितंबर में अब तक 17 आईपीओ आ चुके

- अगले हफ्ते आ रहे आईपीओ से पहले सितंबर की शुरुआत भी काफी व्यस्त रही। इस महीने में अब तक 17 पब्लिक इश्यूज आ चुके हैं।

वहीं एनएसई का मेगा आईपीओ और टेक्सटाइल निर्माता सोनासिलेक्शन इंडिया का इश्यू फिलहाल सब्सक्रिप्शन के लिए ओपन है।

- इन 6 नए आईपीओ के साथ साल 2026 में बाजार में कदम रखने वाली कंपनियों की कुल संख्या 87 तक पहुंच जाएगी। इसमें अगस्त के महीने में आए 23 आईपीओ शामिल हैं।

क्या होता है ओएफएस और फ्रेश इश्यू ?

- फ्रेश इश्यू: इसमें कंपनी नए शेयर जारी करती है। इससे मिलने वाला पैसा सीधे कंपनी के खाते में जाता है, जिसका इस्तेमाल बिजनेस बढ़ाने या कर्ज चुकाने में होता है।
- ऑफर फॉर सेल (ओएफएस): इसमें कंपनी के पुराने शेयरहोल्डर या प्रमोटर अपने हिस्से के शेयर बेचते हैं। इससे मिलने वाली रकम सीधे उन शेयरहोल्डर्स को मिलती है, कंपनी को नहीं।

गूगल के एआई मॉडल जेमिनाई ने 3 वेबसाइट्स हैक कीं

पब्लिक डेटा, पासवर्ड एक्सेस किया: मेटा, एंथ्रोपिक के एआई भी हैकिंग कर चुके

नई दिल्ली, एजेंसी

गूगल के AI मॉडल जेमिनाई ने साइबर सिक्योरिटी टेस्टिंग के दौरान 3 कंपनियों के कंप्यूटिंग सिस्टम और वेबसाइट्स को बिना किसी इंसानी मदद के हैक कर लिया। यह ऐसा पहला मामला है, जहां गूगल का कोई AI मॉडल खुद से किसी असली सिस्टम में घुस गया। घटना मई महीने की है। साइबर सिक्योरिटी टेस्टिंग कंपनी ने 18 सितंबर को इसके बारे में जानकारी दी। कंपनी इररेगुलर साइबर सिक्योरिटी की टेस्टिंग कर रही थी। हालांकि, जैसे ही AI को यह अहसास हुआ कि ये कंपनियां असली हैं, उसने तुरंत अपना ऑपरेशन रोक दिया। गूगल ने इस टेस्टिंग के बाद कहा है कि AI मॉडल की ट्रेनिंग में बदलाव करेंगे। इससे पहले मेटा, एंथ्रोपिक के AI भी हैकिंग कर चुके हैं। गूगल की वाइस प्रेसिडेंट ऑफ सिक्योरिटी इंजीनियरिंग हीथर एडकिंस ने बताया कि तीनों प्रभावित कंपनियों को इसकी जानकारी दे दी गई है और जांच के तरीकों में जरूरी सुधार कर लिए गए हैं।

उन्होंने कहा कि यह मामला दिखाता है कि ताकतवर AI मॉडल्स को जिम्मेदारी से काम करने की ट्रेनिंग देना कितना जरूरी है। इस घटना के बाद AI विशेषज्ञों और एलन मस्क, सैम ऑल्टमैन जैसे बड़े टेक लीडर्स ने इसके खतरे को लेकर चेतावनी दी है।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं है।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96